आमिर खान की साउथ सिनेमा में ...8

दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
सोमवार 07 जुलाई 2025
वर्ष: 12 अंक: 205 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बिहार चुनाव से पहले एनडीए में घमासान: चिराग पासवान का बड़ा ऐलान, सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) में अंदरूनी घमासान मचा हुआ है। अब NDA में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के एक बयान ने बीजेपी और जेडीयू दोनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। छपरा के राजेंद्र स्टेडियम से चिराग पासवान ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

बिहारियों के लिए लड़ूंगा चुनाव: चिराग पासवान रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी द्वारा आयोजित नव-संकल्प महासभा कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने हुंकार भरते हुए कहा, "आज सारण की इस पावन धरती से आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।

चिराग पासवान शेर का बेटा है, डरने वाला नहीं: लोजपा-आर प्रमुख ने इस दौरान अपनी मजबूती और दृढ़ संकल्प भी दिखाया। उन्होंने कहा, "मुझे मेरी पार्टी से निकाला गया, घर से निकाला गया, परिवार से निकाला गया और वो लोग सोचते थे कि चिराग पासवान इतना कमजोर है कि इन बातों से डर जाएगा, घबरा जाएगा। पर जो लोग यह सोचते हैं कि इन बातों से चिराग पासवान के बढ़ते कदम रुक जाएंगे, वे लोग भूल जाते हैं कि चिराग पासवान शेर का बेटा है, राम विलास पासवान का बेटा है।" उन्होंने आगे कहा, "मैं ना रुकने वाला हूं, ना थकने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जितनी ताकत आजमानी है आजमा लो। सर पर कफन बांध के निकला हूं कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा तब तक मैं भी चैन की सांस नहीं लूंगा। पर इसके लिए साथियों जरूरत है मुझे आप

मुझे बिहार आने से रोकने की कोशिश

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिहारी युवाओं को पलायन कर दूसरे राज्यों और देशों में रहने के लिए मजबूर किया, वे उसी तरीके से चाहते हैं कि चिराग पासवान अगर बिहार आ गए तो युवाओं को उनका हक दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि वह महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मजदूरों के हक की बात करेंगे, इसीलिए ये लोग नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। चिराग ने आरोप लगाया कि यही वजह है कि ये लोग षड्यंत्र रचते हैं और भ्रम की स्थिति बनाते हुए बार-बार यह सवाल पूछते हैं कि क्या चिराग पासवान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

ब्रिक्स सम्मेलन में बोले पीएम मोदी
निजी व राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद का समर्थन स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली। आतंकवाद के विरुद्ध आक्रामक कूटनीति जारी रखते हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसको लेकर जोरदार तरीके से भारत का पक्ष रखा। अप्रैल में हुए पहलगाम हमले को पूरी मानवता पर आघात बताते हुए भारतीय प्रधानमंत्री ने वैश्विक शक्तियों से आह्वान किया कि वह आतंकवाद को लेकर दोहरा रुख नहीं अपनाएं। उन्होंने आतंकियों के विरुद्ध प्रतिबंध लगाने में किसी तरह का संकोच नहीं दिखाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निजी व राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद का समर्थन कतई स्वीकार्य नहीं है।

पीएम के बयान के बाद ब्रिक्स नेताओं ने जारी किया घोषणा पत्र

प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान के कुछ ही देर बाद ब्रिक्स नेताओं की तरफ से घोषणा पत्र जारी किया गया जिसमें 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर (पहलगाम) में हुए आतंकी हमले को पूरी तरह से अनुचित बताते हुए इसकी कड़े शब्दों में निंदा की गई। ब्रिक्स ने हर देश से आतंकवाद के विरुद्ध जीरो-टोलरेंस की नीति अपनाने की भारत की मांग दोहराते हुए इस बारे में दोहरे मानदंडों को समाप्त करने की भी बात कही।

पहलगाम हमले की निंदा की गई, ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो में जारी घोषणा पत्र में कहा गया है, "हम जम्मू व कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकी हमले, जिसमें 26 लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए हैं, की हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम सीमा पार आतंकवाद, आतंकियों का वित्तपोषण व उन्हें सुरक्षित पनाह देने समेत हर तरह के आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता जताते हैं।"

खत्म हुआ 58 सालों का सूखा, शुभमन गिल बने बर्मिंघम के बादशाह
ऐसा करने वाले बने पहले भारतीय कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय युवा टेस्ट टीम ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को जीतकर इतिहास रच दिया। 58 साल में पहली बार भारतीय टीम ने एजबेस्टन में कोई टेस्ट मैच जीता। जो काम पटौदी से लेकर धोनी-कोहली नहीं कर सके, उसे शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने कर दिखाया।

एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को 336 रन से मात देकर पांच मैच की टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। भारत ने इंग्लैंड को 608 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था। भारतीय गेंदबाजों के आगे बैजबॉल फेल हो गया। आकाश दीप ने दूसरी पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट चटकाए।

कप्तान गिल ने रचा इतिहास

शुभमन गिल पहले भारतीय कप्तान बने जिनकी कप्तानी में भारत ने एजबेस्टन में टेस्ट मैच जीता। इसके अलावा शुभमन गिल 25 वर्ष और 301 दिन की आयु में विदेश में टेस्ट जीतने वाले सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए हैं। इससे पहले यह उपलब्धि सुनील गावस्कर (26 वर्ष 202 दिन) के नाम थी, जिन्होंने 1976 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी।

पहचान छिपाकर व्यवसाय करना हर दृष्टि से गलत: स्वामी रामदेव

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा मार्ग पर खान-पान की दुकानों पर अपना नाम प्रदर्शित किये जाने का समर्थन करते हुए योग गुरु बाबा स्वामी रामदेव ने रविवार को कहा कि पहचान छिपाकर व्यवसाय करना हर दृष्टि से गलत है।

रामदेव ने यहां कहा कि उन्हें अपने हिंदू और सनातनी होने पर गर्व है, ठीक उसी तरह मुसलमानों को भी अपने मुसलमान होने पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने पूछा, "आखिर क्या वजह है कि मुसलमान नाम छिपाकर कांवड़ यात्रा में व्यवसाय कर रहे हैं। पहचान छिपाना नैतिक और धार्मिक, हर दृष्टि से गलत है।" रामदेव ने कहा कि यह तो ग्राहक को तय करना है कि वह किसकी दुकान पर जाए। उन्होंने कहा, "मुझे जैसे हिन्दू और सनातनी होने पर गर्व है उसी तरह से मुसलमानों को भी मुसलमान होने पर गर्व होना चाहिए।" रामदेव ने कहा कि उनके (मुसलमानों के) भी पूर्वज हिंदू थे। महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों के साथ मारपीट किये जाने को योग गुरु ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्र के साथ मराठी एवं अन्य भाषाओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन भाषा, जाति, वर्ण संप्रदाय एवं लिंग के आधार पर हिंदुओं को आपस में नहीं लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, "इससे सनातन, राष्ट्रीय अखंडता और एकता को क्षति पहुंचती है। हम सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए।"

बिहार वोटर लिस्ट: चुनाव आयोग ने दी बड़ी राहत, अब बिना पूरे दस्तावेज भी भर सकेंगे फॉर्म

पटना। बिहार में वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) में नाम जुड़वाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच, केंद्रीय चुनाव आयोग ने लोगों को बड़ी राहत दी है। आयोग ने राज्य भर के अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर साफ किया है कि अब बिना पूरे जरूरी दस्तावेज और फोटो के भी फॉर्म भरकर जमा किए जा सकते हैं। यह फॉर्म बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को देना होगा।

क्या था पूरा मामला? दरअसल, चुनाव आयोग बिहार में वोटर लिस्ट की बहुत गहरी जांच (गहन संशोधन) कर रहा है। इसके तहत, बिहार में 1987 के बाद जन्मे लगभग 2.93 करोड़ मतदाताओं को अपनी जन्मतिथि और जन्मस्थान के साथ-साथ अपने माता-पिता की जन्मतिथि और जन्मस्थान की पुष्टि करने वाले दस्तावेज भी दिखाने पड़ रहे थे। इस फैसले की कई विपक्षी पार्टियों ने कड़ी आलोचना की थी, क्योंकि इसे बहुत मुश्किल माना जा रहा था। चुनाव आयोग ने पहले उन लोगों के लिए 11 खास दस्तावेजों में से कोई एक देना जरूरी कर दिया था, जिनके नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं थे। इन 11 दस्तावेजों में जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र और सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन भुगतान आदेश शामिल थे। लेकिन, आधार कार्ड इन 11 दस्तावेजों की लिस्ट में नहीं था।

कौन से दस्तावेज जरूरी?

चुनाव आयोग ने बताया है कि अगर आपके पास जरूरी दस्तावेज हैं, तो इससे आपका आवेदन (फॉर्म) जल्दी आगे बढ़ेगा। लेकिन, अगर आपके पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसे में, चुनाव अधिकारी स्थानीय जांच या दूसरे सबूतों के आधार पर आपके आवेदन पर फैसला ले सकते हैं। एक और बड़ी राहत यह है कि जो लोग 1 जनवरी, 2003 तक वोटर लिस्ट में पहले से शामिल हैं, उन्हें फॉर्म के साथ कोई दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

रॉयटर्स का अकाउंट भारत में ब्लॉक
सरकार ने मांगा एक्स से स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स का एक्स अकाउंट भारत में बंद हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखाए गए एक नोटिस में बताया गया है कि यह अकाउंट "कानूनी मांग के कारण" बंद किया गया है।

आखिर क्यों ब्लॉक हुआ अकाउंट? पहले खबर आई थी कि "ऑपरेशन सिंदूर" के दौरान रॉयटर्स के एक्स अकाउंट को ब्लॉक करने की रिक्वेस्ट भारत से ही आई थी। लेकिन अब सरकार कह रही है कि ऐसा कोई नया अनुरोध नहीं किया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, एक सरकारी सूत्र ने बताया, "7 मई को (ऑपरेशन सिंदूर के दौरान) एक आदेश जारी किया गया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया था। ऐसा लगता है कि एक्स ने अब उस पुराने आदेश को लागू कर दिया है, जो उनकी तरफ से एक गलती है। सरकार ने इस गलती को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए एक्स से बात की है।" फिलहाल, रॉयटर्स के कुछ दूसरे अकाउंट जैसे रॉयटर्स टेक न्यूज, रॉयटर्स फैक्ट चेक, रॉयटर्स एशिया और रॉयटर्स चाइना भारत में चल रहे हैं, लेकिन उनका मुख्य अकाउंट और रॉयटर्स वर्ल्ड हैंडल नहीं खुल रहे हैं।

भारत सरकार ने दी सफाई

जैसे ही यह खबर फैली, भारत सरकार ने तुरंत इस पर सफाई दी। सरकार ने साफ कहा कि उन्होंने रॉयटर्स के एक्स अकाउंट को भारत में बैन करने के लिए एक्स से कोई कानूनी रिक्वेस्ट नहीं की थी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया, "भारत सरकार की ओर से रॉयटर्स के अकाउंट को रोकने की कोई जरूरत नहीं है। हम इस दिक्कत को ठीक करने के लिए एक्स के साथ लगातार काम कर रहे हैं।"

वांछित अपराधी मुठभेड़ में घायल, तमंचा बरामद

मेरठ। जिले के सरधना क्षेत्र में रविवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया जो हत्या के प्रयास के मामले में वांछित है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) राकेश कुमार मिश्रा ने यहां बताया कि सुबह सरधना क्षेत्र में गश्त के दौरान सरधना-मुल्हैड़ा मार्ग पर छुर गांव के पास पुलिस ने एक युवक को संदेह के आधार पर रोकने की कोशिश की लेकिन उसने पुलिस पर गोलियां चला दीं। मिश्रा ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बायें पैर में गोली लगने से युवक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायल अभियुक्त की पहचान सरधना के शोएब उर्फ सुहेब के रूप में हुई है तथा उसेस्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया है। मिश्रा ने बताया कि शोएब शनिवार रात सरधना कस्बे में एक ठेकेदार पर हमला करने के मामले में वांछित था। अपर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा और एक कारतूस बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महाराष्ट्र में हिंदी पर ठाकरे बंधुओं की एकता, संजय राउत ने सीएम स्टालिन के रुख को बताया अलग

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर फिर से शामिल करने के राज्य सरकार के फैसले पर, पिछले दिनों अलग-अलग चल रहे चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ आए और जश्न मनाया था। अब, रविवार को उद्धव सेना ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के उस समर्थन से खुद को थोड़ा अलग कर लिया है, जिसमें स्टालिन ने हिंदी के विरोध में ठाकरे बंधुओं का साथ दिया था। उद्धव सेना का कहना है कि उनका विरोध केवल प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य करने तक ही सीमित है।

स्टालिन ने किया था ठाकरे बंधुओं की एकता का स्वागत

उद्धव और राज ठाकरे के लगभग दो दशकों में पहली बार एक ही मंच पर आने के कुछ घंटों बाद, स्टालिन, जो हिंदी थोपे जाने के मुद्दे पर केंद्र के साथ विवाद में रहे हैं ने इस मुद्दे पर चचेरे भाइयों के कदम का स्वागत किया था। एक्स पर बात करते हुए स्टालिन ने लिखा था, "द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और तमिलनाडु के लोगों द्वारा हिंदी थोपे जाने को हराने के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी छेड़ा गया भाषा अधिकार संघर्ष अब राज्य की सीमाओं को पार कर चुका है और महाराष्ट्र में विरोध के तूफान की तरह घूम रहा है।" बिछड़े हुए चचेरे भाइयों के पुनर्मिलन का स्वागत करते हुए स्टालिन ने कहा था, "हिंदी थोपे जाने के खिलाफ भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में आज मुंबई में आयोजित विजय रैली का उत्साह और शक्तिशाली भाषण हमें अपार उत्साह से भर देता है।"

हमारी लड़ाई यहीं तक सीमित है: संजय राउत

उद्धव सेना के सांसद संजय राउत ने साफ किया, "हिंदी थोपे जाने के खिलाफ उनके (स्टालिन के) रुख का मतलब है कि वे हिंदी नहीं बोलेंगे और न ही किसी को हिंदी बोलने देंगे। लेकिन महाराष्ट्र में हमारा रुख ऐसा नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं। हमारा रुख यह है कि प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी के लिए सख्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारी लड़ाई यहीं तक सीमित है।" राउत ने यह स्पष्ट करते हुए कि ठाकरे बंधुओं का रुख केवल प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी थोपे जाने के खिलाफ है, स्टालिन को उनकी लड़ाई में शुभकामनाएं दीं, साथ ही अपनी सीमा भी खींची। उन्होंने कहा, "हमने किसी को हिंदी में बोलने से नहीं रोका है क्योंकि हमारे यहां हिंदी फिल्में, हिंदी थिएटर और हिंदी संगीत है। हमारी लड़ाई केवल प्राथमिक शिक्षा में हिंदी थोपे जाने के खिलाफ है।"

हल्लौर में मोहर्रम की दसवीं पर परम्परागत ढंग से निकाला गया अलम, ताबूत और जुलजनाह का जुलूस

नौहां–मातम कर हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत को किया याद।

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र डुमरियागंज के शिया बाहुल्य कस्बा हल्लौर में 9 मोहर्रम की रात्रि में इमाम बारगाह वक्फ शाह आलमगीर सानी में बड़े ताजिया चौक पर रखे गये। अजादारों ने कफनी पहनकर ताजिया का तवाफ (परिक्रमा) कर इमाम हुसैन अस को याद कर नियाज फातिहा दिलाया गया। आखरी नबी हजरत मोहम्मद मुस्तफा के प्यारे नवासे हजरत इमाम हुसैन की अजीम कुर्बानी की याद में इमाम बारगाह और हर घर में ताजिया रखकर नियाज फातिहा दिलाया गया और मरसिया मजलिस आयोजित कर नौहा–मातम मातम किया गया। जगह–जगह हजरत इमाम हुसैन की याद में सबील लगाई गई। सन 61 हिजरी में यजीद जैसा क्रूर शासक तख्त पर बैठा, जो क्रूर होने के साथ–साथ बेहया बेशर्म भी था। वह इमाम हुसैन से बैयत लेना चाहता था, लेकिन इमाम हुसैन ने उसकी बय्यत से इनकार कर दिया। यजीद इमाम हुसैन के नाना के दीने इस्लाम में बदलाव लाना चाहता था। तब्दीलियां कर रहा था इमाम हुसैन ने कर्बला के मैदान में उसके चेहरे से नकाब उतारकर फेंक दिया और जमाने को बता दिया कि हक के लिए सर कटा देना ही बेहतर है, जिल्लत की जिन्दगी से इज्जत की मौत बेहतर है। उन्होंने इंसानियत को पैगाम दिया कि किस तरह से सर उठाकर जियो, हमेशा जुल्म के खिलाफ खड़े हो जाया करो, बातिल का साथ मत दो और जुल्म के खिलाफ खड़े हो जाया करो। इमाम हुसैन ने कर्बला से अमन और शान्ति का पैगाम दिया 10वीं मोहर्रम जिसे रोजे आशूरा कहा जाता है। इमाम हुसैन का घर बार इस दिन उजड़ गया। इमाम हुसैन 72 साथियों के साथ शहीद कर दिये गये, जिसमें बराबर के बहादुर जाबांज भाई, जवान बेटा, भांजे भतीजे असहाब और अंसार शामिल थे। उसी में इमाम हुसैन का दूध पीता हुआ 6 माह का मासूम बच्चा था। जब इमाम हुसैन कर्बला के मैदान में अकेले रह गये तो उन्होंने सदा दी कि है कोई जो मेरी मदद को आये। बच्चे ने आवाज सुनकर अपने आप को झूले से गिरा दिया। इमाम हुसैन अली असगर को मैदान में लाकर पानी मांगा। कहा कि अगर तुम्हारी नजर में मैं खताकार हूं, तो इस बच्चे की क्या खता है। इस बच्चे को पानी दे दो। लेकिन जालिमों ने पानी के बदले तीन फाल के तीर से बच्चे को शहीद कर दिया। इतनी अजीम कुर्बानी जो कोई भुला नहीं सकता। शायरों ने क्या खूब कहा है इंसान को बेदार तो हो लेने दो। हर कौम पुकारेगी हमारे हैं हुसैन। हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक यह मोहर्रम सदियों से मनाया जा रहा है। यहां पर हिन्दू और मुस्लिम सभी समुदाय के लोग आते हैं और ताजिया का बोसा लेते हैं और नजर और फातिहा कर इमाम हुसैन को याद करते हैं। जिनमें कई गांवों के लोग शामिल होते हैं। सुबह नमाज के बाद आग का मातम होता है। आग पर चलकर या हुसैन या हुसैन की सदाएं बुलन्द होती हैं। इसे देखने के लिए दूर–दराज से लोग आते हैं। मातम के बाद मजलिस हुई, फिर जुलूस बरामद हुआ जो पूरे कस्बे से होता हुआ मेन रोड पहुंचा। जहां पर मातम हुआ और लोगों ने या हुसैन या हुसैन की सदाएं बुलन्द की और लोगों ने काफी संख्या में जन्जीर जनी का मातम किया। उसके बाद मातमी जुलूस इमाम बारगाह वक्फ शाह आलमगीर सानी में खत्म हुआ। उसके बाद जुलूस 3:00 बजे बड़े ताजिया के साथ करबला पहुंचा और कर्बला में ताजिया दफन किये गये पुलिस प्रशासन पूरी तरह से काफी मुस्तैद रहा।

फेसबुक पर विवादित पोस्ट ने शाहिद को खुदकशी पर किया आमादा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी के 30 वर्षीय युवक शाहिद ने भय और उत्पीड़न के चलते जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की है। उसे गम्भीर हालत में मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर रेफर किया गया है। आत्महत्या का कारण स्वयं शाहिद ने सोशल मीडिया पर लिखी एक विवादित टिप्पणी के बाद भय और उत्पीड़न बताया है। इस विषय पर उसने एक विडियो बनाया था, जिसकी चर्चा में जिसे गौर से देखा जा रहा है। आपको बता दें कि रेलवे स्टेशन बढ़नी के ठीक सामने रहने वाले युवक शाहिद ने बीती शाम घर आया और रात में अचानक कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ते देखकर घर वाले उसे अस्पताल ले गये। जहां उसकी हालत खराब देखकर उसे मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया। वहां भी उसकी दशा गम्भीर है मगर इलाज जारी है। वहीं शाहिद ने जहर क्यों खाया इसका खुलासा एक विडियो से होता है। जिससे पता चलता है कि फेसबुक की एक पोस्ट शेयर करने के कारण उसे गिरफ्तार किया गया। वह जमानत पर आया फिर भी लोग उसका उत्पीड़न करते रहे। शुक्रवार की सुबह बढ़नी पुलिस उसके घर आकर उसे बढ़नी पुलिस चौकी आने को कहा। शाहिद चौकी पहुंचा जहां उसका मोबाइल जांच में जाने की बात कहकर उससे एक सादे कागज पर दस्तखत करा लिया गया। जिससे वह और भी भयभीत हो गया। वह दिन भर तनाव में रहा और रात में उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसके विडियो में वह बताते हुए इसके लिए जिम्मेदार चार लोगों का नाम लेते हुए देखा जा सकता है। उसने यह भी कहा कि इस घटना में उसके परिजन निर्दोष हैं। आपको बता दें कि शाहिद एक विकलांग है। एक दुर्घटना में वह विकलांग हुआ था। उसके चार बच्चे हैं, जिनका भरण पोषण वह बहुत मुश्किल से कर पाता है। इसके लिए वह पान की टपरी चलाता है। गत दिनों इटावा कथा वाचक काण्ड पर उसने किसी की पोस्ट शेयर की थी। जिसे आपत्तिजनक कहकर बढ़नी के एक व्यक्ति ने उस पर मुकदमा दर्ज करा दिया था। इस घटना के बाद शाहिद पर आफत आ गई थी। शाहिद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पिछले दिनों वह चन्दे के पैसे से जमानत कराकर बाहर आया था, जिसके बाद शुक्रवार को यह घटना घट गई। माना शाहिद ने एक गलत पोस्ट शेयर कर ली थी। इसके लिए वह सजा पा रहा था, लेकिन उसे अब अपनी दुकान न खोलने देना, पुलिस द्वारा सादे कागजों पर हस्ताक्षर कराना आदि कौन से संवैधानिक कार्य हैं?

जनसंघ के संस्थापक मुखर्जी जी का जन्मदिन संगोष्ठी आयोजित कर मनाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर विकास खण्ड उसका बाजार के सभागार में रविवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्मदिन संगोष्ठी आयोजित कर मनाया गया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रामकुमार कुंवर रहे और अध्यक्षता भाजपा के उसका बाजार मण्डल अध्यक्ष राकेश कुमार आर्य ने किया। वहीं संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजन पर डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और .तित्व पर वक्ताओं ने चर्चाकर विस्तार से प्रकाश डाला। संगोष्ठी कार्यक्रम का प्रारम्भ राष्ट्रीय गीत के गान से हुआ। पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार कुंवर ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में मण्डल अध्यक्ष सहित आये हुए नेता व कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने विचारों और सिद्धांतों से देश की राजनीति में उच्च आदर्श स्थापित किये। उनका सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और देशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित रहा। आज अगर भारत के विभिन्न राज्यों के लोग बिना परमिट के जम्मू–कश्मीर जा पाते हैं, तो इसके पीछे डॉ0 मुखर्जी का संघर्ष और बलिदान है। उन्होंने देश की अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान रहा। तत्पश्चात संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और .तित्व पर रामेश्वर पाण्डेय सच्चिदानन्द चौबे, सुरेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य वक्ताओं ने अपने–अपने विचार प्रकट किये। संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन मण्डल महामंत्री बंशीधर पाण्डेय ने किया। इस दौरान सोमनाथ मिश्र, अंगद साहनी, पवन पाण्डेय, सत्य प्रकाश वर्मा, प्रमोद ठकुराई, जीत नरायन, राकेश सिंह, आशीष सिंह, राघवेन्द्र सिंह, राजेश पाण्डेय, धीरेन्द्र सिंह, पवन अग्रहरि, मनमोहन गुप्ता, विशाल वरुण, अर्जुन यादव, रामानन्द यादव आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

बर्डपुर मण्डल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म-जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म–जयंती पर रविवार को भाजपा बर्डपुर मण्डल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी उर्फ लाल बाबा रहे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों और कार्यों से माँ भारती को गौरवान्वित करने वाले महान विचारक, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तम्भ थे। जम्मू–कश्मीर से दो विधान, दो निशान और दो प्रधान समाप्त करने के लिए श्रद्धेय डॉ मुखर्जी जी अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक संघर्षरत रहे। कश्मीर से धारा–370 हटाकर उनके स्वप्न को आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने साकार किया है। माँ भारती की एकता, अखंडता और सम्मान के लिए दिया गया आपका अमर बलिदान अनंतकाल तक देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम को जिला मंत्री अजय उपाध्याय निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय मंडल अध्यक्ष अमित उपाध्याय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा सब्बू साहनी आदि ने सम्बोधित किया। इस दौरान अजय उपाध्याय नितेश पाण्डेय अमित उपाध्याय सब्बू साहनी मुन्नी देवी विवेक गोस्वामी मंगलेश शुक्ला सुरेंद्र यादव हरिशंकर तिवारी राजेंद्र विश्वकर्मा घनश्याम विनय राव आशीष मिश्रा सर्वजीत चौधरी हेमंत जायसवाल .ष्ण कुमार शुक्ला राजकुमार चौधरी जेपी मौर्य दिलीप कन्नौजिया वीरू कन्नौजिया बृजेश सिंह प्रतिमा दुबे विद्यावती देवी शिवम मिश्र राकेश मिश्र घनश्याम गिरी रामविलास मौर्य राकेश तिवारी राजेश यादव रामकुमार यादव विनोद उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर ले जाया जा 22 बोटा लकड़ी बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। सशस्त्र सीमा बल के मलगहिया समवाय की टीम द्वारा एक ट्रैक्टर ट्राली पर लोड करके अवैध रूप ले जाई जा रही लकड़ी को वन विभाग के सहयोग से बरामद किया गया है। बरामद लकड़ी के बोटो, वाहन तथा एक अभियुक्त को वन विभाग को सौंप दिया गया है। बीते दिवस एसएसबी मलगहिया के कमाण्डर को प्रातः करीब साढ़े 9 बजे पेड़ काटकर लकड़ी को अवैध रूप से डुबौलिया की ओर ले जाए जाने की सूचना मिली। इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद ने बताया कि उक्त सूचना पाते ही तुरन्त गश्ती दल को सक्रिय कर सूचित स्थान की ओर रवाना कर दिया गया और वन विभाग को भी सूचित किया गया। उक्त दोनों की संयुक्त टीम ने खुनुवरिया गाए के निकट लकड़ी लादकर ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली को रोका और चालक से पूछताछ की। उससे लकड़ी से सम्बन्धित कागजात मांगे गये तो ट्रैक्टर चालक के पास कोई कागजात नहीं मिला। किसी कागजात के नहीं मिलने पर उसे चालान कर दिया गया। एसएसबी के निरीक्षक ने बताया कि ट्रैक्टर पर लोड 22 बोटा लकड़ी, ट्रैक्टर ट्राली तथा एक अभियुक्त का चालान कर उसे वन विभाग रेंज इटवा के सुपुर्द कर दिया गया। चर्चा है कि लकड़ी के बोटो का चालान कर दिये जाने पर कटेरों व माफियाओं में खलबली मच गई है, उन्होंने वन विभाग आदि का चक्कर लगाना शुरू कर दिया है।

जिले में दिल दहला देने वाली वारदात, मामूली विवाद में युवक की फावड़े से किया हत्या

खेत में सिंचाई के लिए रखे पाइप पर बाइक चढ़ जाने को लेकर हुआ मामूली विवाद।

दैनिक बुद्ध का संदेश

पथरा/सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र पथरा बाजार के कपिया बुजुर्ग गांव के उत्तर सड़क पर खून से लतपथ युवक लाश मिली, जिसको लेकर परिजनों ने तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। आपको बता दें कि मृतक युवक सनी चौहान गोल्हौरा थाना क्षेत्र खखरा खखरी गांव का निवासी था, जो पथरा थाना क्षेत्र के रामनगरी में बाइक से कान का झाड़फूंक कराने जा रहा था। मृतक सनी चौहान का शव थाना क्षेत्र पथरा बाजार के कपिया बुजुर्ग गांव के उत्तर सड़क पर खून से लतपथ मिलने पर परिजनों ने थाने में तहरीर देकर कापियां बुजुर्ग गांव के तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि कापियां बुजुर्ग निवासी आशुतोष त्रिपाठी और अभिषेक त्रिपाठी परिवार खेत में पाइप बिछाकर पानी चला रहा था, तभी मृतक युवक सनी चौहान बाइक से सड़क पार करने को कहा–सुनी हो गई थी, जिसको लेकर आशुतोष त्रिपाठी व अभिषेक त्रिपाठी परिवार के आरोपियों ने युवक को फावड़े से मारकर मौत के घाट उतार दिया है और सड़क पर खून से लतपथ लाश सड़क पर फेंक दिया। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर घटना की जांच किया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मुख्यालय भेज दिया और विधिक कार्यवाही में जुट गयी। वहीं कपिया बुजुर्ग गांव के पास खून से लतपथ युवक की लाश मिलने से परिजनों ने फावड़े से निर्मम हत्या कर सड़क पर फेंकने को लेकर भड़क गये। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने और आरोपित हत्यारों को गिरफ्तार न करने पर नाराज परिजन सहित ग्रामीणों ने पथरा थाने के सामने सड़क पर जाम लगाकर पथरा पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। इस सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा ने बताया कि बताया कि मृतक सनी चौहान नामक युवक की आशुतोष त्रिपाठी और अभिषेक त्रिपाठी ने फावड़े से मारकर हत्या कर सड़क पर खून से लतपथ शव को फेंक दिया था, क्योंकि उसकी मोटरसाइकिल खेत में लगे उनके सिंचाई के पाइप पर चढ़ने से कहासुनी हो गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

अवैध उर्वरक का गोदाम किया गया सील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रविवार को शोहरतगढ़ के चोढार चौराहे पर स्थित एग्रीजंक्शन वन स्टॉप शॉप पर अपर जिला .षि अधिकारी ने टीम के साथ पहुंचे छापेमारी की। .षि दुकान के प्रोपराइटर का स्टॉक रजिस्टर चेक किया और इस छापेमारी के दौरान अवैध उर्वरक का गोदाम भी सील किया गया है। यूरिया, डीएपी और एसएसपी का सेंपल भेजकर आगे की कार्यवाही की जा रही है। अपर जिला .षि अधिकारी सूरज मौर्य ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में अवैध उर्वरक के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगा। एग्रीजंक्शन वन स्टॉप शॉप के प्रोपराइटर उर्वरक का सेंपल का रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

एक निशान एक विधान एक प्रधान के प्रणेता रहें डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी: कन्हैया पासवान

मण्डल शोहरतगढ़ में डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं .तित्व पर हुआ संगोष्ठी सम्पन्न।

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। रविवार को भारतीय जनता पार्टी शोहरतगढ़ मण्डल के तत्वाधान में जनसंघ के संस्थापक डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं .तित्व पर संगोष्ठी का आयोजन रविवार को नगर पंचायत सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर एवं राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम् का गायन कर किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा के द्वारा किया गया। इस शिवशक्ति ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राम विनोद यादव ने किया। इस कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान और विशिष्ट अतिथि रविन्द्र कुमार वर्मा रहे। इस दौरान मुख्य अतिथि कन्हैया पासवान ने सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने विचारों और सिद्धांतों से देश की राजनीति में उच्च आदर्श स्थापित किये। उनका सम्पूर्ण जीवन देश की एकता और देशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित रहा। आज अगर भारत के विभिन्न राज्यों के लोग बिना परमिट के जम्मू–कश्मीर जा पाते हैं तो इसके पीछे डॉ0 मुखर्जी का संघर्ष और बलिदान है। उन्होंने देश की अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान रहा। इस दौरान विशिष्ट अतिथि रविन्द्र कुमार वर्मा ने भी उनके जीवन पर डाला। इसी क्रम में मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री .ष्ण पाल चौधरी, प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डॉ0 पवन कुमार मिश्र, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, राजकुमार मोदनवाल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस दौरान मुख्य रूप से मण्डल महामंत्री अभिषेक चौधरी, अवधेश आर्या, पंकज गौड़, राम कुमार त्रिपाठी, राधेश्याम मिश्रा, राम कुमार यादव, राम प्रताप चौधरी, संजय मिश्रा, अवधेश यादव, सरजू प्रसाद, शैलेश चौधरी, विवेक चौधरी, अनूप त्रिपाठी, नीलेश चौधरी, राम सुमन पटेल, गौरव शर्मा, विरेन्द्र चौधरी, वासुदेव शर्मा, कैलाश मिश्रा आदि भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज दुनिया में भारत आम उत्पादन में प्रथम व भारत में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है : सांसद

नगदी फसल में सब्जी एवं फल की खेती करने से किसानों की आय बढेगी।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।प्रथम आम महोत्सव का सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा अलंत उद्यान पार्क सिद्धार्थनगर में दीप प्रज्वलित कर समापन किया गया। प्रथम महोत्सव के अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण द्वारा विभिन्न स्टाल/प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। प्रथम आम महोत्सव कार्यक्रम में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं जनप्रतिनिधियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि तथागत गौतम बुद्ध की जन्मस्थली अलंत उद्यान पार्क में मुख्यमंत्री जी की पहल पर प्रथम बार आम महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। सभी लोगो का स्वागत करता हूं। जनपद में प्रथम बार आम महोत्सव का आयोजन हो रहा है। नगदी फसल में सब्जी एवं फल की खेती करने से किसानों की आय बढेगी। मलिहाबाद के दशहरी आम की मांग प्रदेश/देश के विभिन्न में भी मांग है। आज दुनिया में भारत आम उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। भारत में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। आम की पैदावार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी हो रहा है। गेहू धान से ज्यादा फायदा फलदार पौधों से है। प्रधानमंत्री जी द्वारा स्वामीनाथन की रिपोर्ट को लागू कर किसानों की आय दोगुनी हो रही है। सबसे ज्यादा ध्यान मण्डियों पर दिया जा रहा है, जिससे किसानों की फसल सीधे मण्डी तक पहुँचे और किसानो को उचित मूल्य मिले। मुख्यमंत्री जी द्वारा मौसम बीमा योजना लागू की है। जिसके अन्तर्गत किसानो को लाभ दिया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उनके उत्पाद बेचने हेतु मार्केट की आवश्यकता है, जिसके लिए कार्य करें। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने जिला प्रशासन एवं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आम महोत्सव के आयोजन हेतु बधाई दिया। प्रथम आम महोत्सव के अवसर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी एवं सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल द्वारा सभी बधाई दिया गया एवं लोगो को जानकारी दिया गया। पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी ने कहा कि प्रथम आम महोत्सव के आयोजन से किसानों को जानकारी मिलेगी। किसान भाई खेती के साथ ही आम की खेती कर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। सरकार द्वारा सब्जी एवं अन्य हेतु अनुदान दिया जा रहा है। जिला उद्यान अधिकारी नन्हे लाल वर्मा ने प्रथम आम महोत्सव के अवसर पर सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं अन्य लोगों का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। इस अवसर पर आम खाने हेतु आयोजित प्रतियोगिता में विजेता बच्चों तथा स्टाल लगाने हेतु उत्पाद एवं अन्य सामग्री में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले किसानों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु अनिरुद्ध मौर्य को सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल एवं अन्य द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, जिला उद्यान अधिकारी नन्हे लाल वर्मा, उप मि निदेशक राजेश कुमार व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी, स्कूली बच्चे, किसान/व्यापारी आदि उपस्थित थे।

सिद्धार्थनगर में बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों का धरना आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की शीर्ष स्तर पर हुई बैठक में लिए चरणबद्ध आन्दोलन की कड़ी में रविवार को जिले के चार हजार शिक्षकों ने परिषदीय विद्यालयों के विलय पर रोष व्यक्त किया। स्कूलों के विलय के विरोध में एक्स पर हैशटैग अभियान चलाया। अब संगठन की ओर से मंगलवार को बीएसए कार्यालय पर धरना देंगे जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि कम छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों को बन्द करके अन्य विद्यालय में विलय करना, सबको समान शिक्षा के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है। इसके विरोध में प्रान्तीय नेतृत्व ने व्यापक आन्दोलन की रूपरेखा तय की है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने वाला है। यह फैसला शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की बजाय उसे और कमजोर करेगा। इस फैसले के विरोध में रविवार को ट्विटर (एक्स) पर हैशटैग अभियान चलाया गया। साथ ही 08 जुलाई को बीएसए कार्यालय पर धरना दिया जायेगा। इसके बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जायेगा।

माली मैनहा गांव के पास तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र डुमरियागंज के माली मैनहा गांव के पास तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। आपको बता दें कि नगर पंचायत डुमरियागंज के करीब स्थित माली मैनहा गांव में पास गांव के बच्चे हमेशा खेलते-कूदते रहते थे। इसी क्रम में रविवार को बच्चों द्वारा खेलते-कूदते समय के दौरान दो बच्चों का पैर फिसलकर तालाब में गिर गये। वहीं वहा उपस्थित बच्चों ने तालाब में गिरने की सूचना पर चिल्लाने लगे। बच्चों की चिल्लाहट सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तालाब में कूदकर बच्चों को बाहर निकाला। आनन-फानन में दोनों बच्चों को एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर परिजन अस्पताल पहुंचे। बच्चों के मरने की जानकारी होते ही परिवार में मातम छा गया। वहीं औरतों का रो-रोकर हालत खराब हो गया। बच्चों के डूबकर मरने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकरकर घटना की जांच कर रही है।

युवक का सड़क पर खून से लतपथ मिली लाश, हत्या का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

पथरा/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र पथरा बाजार के कपिया बुजुर्ग गांव के उत्तर सड़क पर खून से लतपथ युवक लाश मिली, जिसको लेकर परिजनों ने तीन लोगों पर लगाया हत्या का आरोप आरोप लगाया। आपको बता दें कि मृतक युवक गोल्हौरा थाना क्षेत्र खखरा खखरी गांव का निवासी था, जो पथरा थाना क्षेत्र के रामनारी में बाइक से कान का झाड़फूंक कराने जा रहा था। मृतक का शव थाना क्षेत्र पथरा बाजार के कपिया बुजुर्ग गांव के उत्तर सड़क पर खून से लतपथ मिलने पर परिजनों ने थाने में दी तहरीर देकर कापिया बुजुर्ग गांव के तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि कापिया बुजुर्ग निवासी त्रिपाठी परिवार खेत में पाइप बिछाकर पानी चला रहा था, तभी मृतक युवक बाइक से सड़क पार करने को कहा-सुनी हो गई थी, जिसको लेकर त्रिपाठी परिवार के आरोपियों ने युवक को कुदाल मारकर मौत के घाट उतार दिया है और सड़क पर खून से लतपथ लाश फेंक दिया। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर घटना की जांच किया शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मुख्यालय भेज दिया और विधिक कार्यवाही में जुट गयी।

एक पेड़ मां के नाम के तहत किया गया वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। रविवार को यशस्वी प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम एवं मुख्यमंत्री के द्वारा वन महोत्सव पखवाड़ा में प्रदेश में हरित संवर्धन के अनुपालन में माधव बाबू पार्क में नगर मंडल अध्यक्ष कुबेर बारी के नेतृत्व में वृक्षारोपण भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य रूप से प्रोफेसर के.पी.त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य, शंभु वर्मा,रामबचन मौर्य ,अमरनाथ अग्रहरि ,सभासद प्रतिमा वर्मा, पीरू श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। वन क्षेत्र अधिकारी बांसी द्वारा उपलब्ध कराई वृक्षों जिसमें आम ,जामुन ,अमरूद, आंवला ,गोल्ड मोहर के वृक्षों का रोपण किया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों से साकार होगा अखंड भारत का सपना : सांसद

दैनिक बुद्ध का संदेश

परसा/शोहरतगढ़। विधानसभा क्षेत्र के सूर्या महाविद्यालय परसा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्मदिन संगोष्ठी का आयोजित कर मनाया गया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रिय सांसद जगदम्बिका पाल तथा विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री अजय उपाध्याय रहे।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मा० सांसद ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीतियों का सदैव खुलकर विरोध करने वाले डॉ. मुखर्जी को एक ही देश में दो झंडे और दो निशान कदापि स्वीकार नहीं थे। कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म करने की शुरुआत सबसे पहले श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के अधूरे सपनों को साकार किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी आज भी एकीकृत भारत के लिए राष्ट्रवाद की सर्वाधिक बुलंद आवाज के रूप में जाने जाते हैं। वे अंग्रेजों द्वारा संस्थागत ढांचे के माध्यम से थोपे गये सांप्रदायिक विभाजन को समाप्त करने के प्रबल समर्थक रहे। एकीकृत कश्मीर के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर आगंतुकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बढ़नी योगेन्द्र तिवारी और संचालन मंडल महामंत्री राधेश्याम तिवारी ने किया।इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, चेयरमैन सुनील अग्रहरि,उमेश पाण्डेय,नर्वदेश्वर मणि त्रिपाठी, अनील अग्रहरि, बरकत हुसेन,धुर्व चतुर्वेदी,विशम्भर दूबे, राजेश सिंह,शिवा तिवारी, रिक्कू चौधरी,मनोज दूबे, अनूप सिंह,चिन्कू चौधरी,लालसिंह चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

नगर पंचायत शोहरतगढ़ में मोहर्रम पर निकाला ताजिया जुलूस

इमाम हुसैन की याद में श्रद्धालुओं ने निकाला शान्तिपूर्ण जुलूस

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर (आदर्श) नगर पंचायत शोहरतगढ़ में रविवार को मोहर्रम के यौमे आशूरा (मोहर्रम के दसवीं दिन) का ऐतिहासिक जुलूस (अखाड़ा व ताजिया) निकाला गया। जुलूस में हजारो की तादाद में लोगो ने हिस्सा लिया। ताजिया इमाम हुसैन की कब्र का प्रतीक है। इसे लकड़ी, बांस, कागज, चांदी और सजावटी सामान से बनाया जाता है। मोहर्रम के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने अखाड़े के साथ ताजिया जुलूस निकाला। यह जुलूस मुहर्रम के दसवें दिन, आशूरा के मौके पर निकाला गया। ताजिया इमाम हुसैन की कब्र का प्रतीक है। इसे लकड़ी, बांस, कागज, चांदी और सजावटी सामान से बनाया जाता है। वहीं जुलूस के अखाड़े ने वहा उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जुलूस के दौरान विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई। बिजली के तारो से दूरी बनाये रखने की हिदायत दी गई थी। मोहर्रम जुलूस के बीते दिनों कई जगहों/ शहरो में करंट लगने से कई लोग घायल हुए थे। नाजिमेअंजा नेता अल्ताफ हुसैन ने कहा कि ताजिया की परम्परा 14वीं सदी से जुड़ी है। इसकी शुरुआत तैमूर लंग ने की थी। वे हर साल इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की जियारत के लिए जाते थे। एक बार बीमारी के कारण वे नहीं जा सके। तब दरबारियों ने उनके लिए इमाम हुसैन की कब्र की प्रतिति बनवाई। ताजिया जुलूस इमाम हुसैन की शहादत और उनके आदर्शो को याद करने का प्रतीक है। यह आयोजन समुदाय में एकता का प्रतीक भी है। इस दौरान लोग अपनी धार्मिक भावनाओं को व्यक्त करते है। वहीं मुस्लिम समुदाय के आलीमों ने कहा है कि भारत में इमाम हुसैन के चाहने वालों की बड़ी तादाद है। झांसी की रानी के नाम का ताजिया, बनारस के महाराजा के नाम का ताजिया और इस तरह कई हिन्दू राजाओं के नाम से आज भी ताजिये रखे जाते है। जिससे आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की वजह (स्पष्ट) मिसाल मिलती है। उन्होंने ने कहा कि आज यौमे आशूरा का जुलूस है। जिसमें कर्बला के शहीदो खास तौर से हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया जा रहा है। उनके पैगामात को याद कर उस पर अमल करने का इरादा किया जा रहा है। उन्होंने ने कहा कि आज से तकरीबन 1400 साल पहले कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन ने अपने कुनबे के साथ शहादत दी थी। इमाम हुसैन ने इंसानियत को बचाने के लिए जुल्म और ज्यादती के खिलाफ ऐसी कुर्बानी दी। जिसे हमेशा अहलेबैत के चाहने वाले याद रखेंगे और उनके सन्देशों पर अमल करेंगे। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन का सबसे बड़ा पैगाम यह है कि कभी जंग की शुरुआत न की जाये। उन्होंने जंग की शुरुआत नहीं की थी, बल्कि यजीदी फौज ने जंग की शुरुआत की थी और यजीदियों ने जुल्म की इंतिहा कर दी थी। जब तीन दिन से भूखे-प्यासे इमाम हुसैन के परिवार के नन्हे-नन्हे मासूमों को कत्ल कर दिया गया था। चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि इमाम हुसैन ने अपना कीमती खून बहाकर दुनिया में अमन और शान्ति कायम प्रस्तुत किया है। इमाम हुसैन की याद में शोहरतगढ़ श्रद्धालुओं ने शान्ति व सौहार्दपूर्ण जुलूस निकाला है। इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं।

ढेला बाबा ने नगर पालिका परिषद में स्वच्छता को लेकर नगरवासियों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में अध्यक्ष गोविंद माधव जी, अधिशासी अधिकारी अजय सिंह जी के द्वारा फिल्म अभिनेता सी पी भट्ट 'ढेला बाबा 'एवं सहयोग वेलफेयर सोसाइटी के नुक्कड़ टीम के माध्यम से सिद्धार्थनगर पालिका परिषद के वार्ड वाल्मीकि नगर, आफिसर्स कालोनी, सिद्धेश्वरीपुरम, तिलकनगर, परशुरामनगर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नगरवासियों को जागरूक किया गया लोगो से अपील की गई कि कूड़ा कूड़ेदान में डाले,नालियों को साफ रखें,सड़को पे गंदगी कचरा ना फैलाए ,इज्जत घर का प्रयोग करें,बुजुर्गो का मां बाप का सम्मान करें,बच्चो को अच्छी शिक्षा दें,जनता हास्य संगीतमय नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मनोरंजन के साथ जागरूक भी हो रही है बच्चे बूढ़े जवान सभी इस कार्यक्रम से प्रसन्न है। दर्शक जिन्हें सैकड़ो फिल्मों में देख चुकी है वायरल ढेला बाबा के रूप सोशल मीडिया पे देखती है उन्हें सामने देख कर सभी खुश है सेल्फी और फोटो लेना दर्शकों को प्रसन्नता है।सी पी भट्ट ने गोविंद माधव को इस तरह के कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर सभासद राजाराम लोधी, सभासद जंगबहादुर वरुण, सभासद मनीष जायसवाल, सभासद ,पाशंकर त्रिपाठी, सभासद सतीश रस्तोगी सहित कलाकार सी पी भट्ट 'ढेला बाबा 'अनिल बाबू,अजय त्रिपाठी ,प्रवीण चौहान,सचिन,डिम्पू रंगीला आदि लोग मौजूद रहे।

मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर हुआ संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पकड़ी बाजार/सिद्धार्थनगर विधानसभा शोहरतगढ़ के पकड़ी मण्डल में मंडल अध्यक्ष भाई अरविंद चौधरी जी की अध्यक्षता में डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन आदर्श बाल विद्या मंदिर विद्यालय पकड़ी बाजार के प्रांगण में किया गया। वहीं संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा शिवनाथ चौधरी रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष अरविन्द चौधरी रहे। संगोष्ठी कार्यक्रम की शुरुआत डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करके किया। संगोष्ठी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवनाथ चौधरी ने अपने सम्बोधन में मुखर्जी जी के व्यक्तित्व एवं .तित्व पर विस्तार से कार्यकर्ताओं के बीच विचार व्यक्त किये। वहीं संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन सुनील गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिवनाथ चौधरी ने एक पेड़ भी लगाये इस संगोष्ठी कार्यक्रम में मण्डल के गौरी शंकर पाण्डेय, प्रवीण कुमार उपाध्याय, ज्ञानदास गौतम, राहुल दूबे, रामलाल, अशरफी, राजेन्द्र लाला, रामधनी, मनीराम मौर्या, ओम प्रकाश मिश्रा, अक्षयराम विश्वकर्मा, अर्जुन, कन्हैया, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कभी–कभी सोचता हूं कि इतने सबूत मिटा कर मैं कोई गुनाह तो नहीं कर रहा? लेकिन फिर दिल को समझा लेता हूं कि यह गुनाह नहीं, सुरक्षा कवच है। जब बड़े–बड़े लोग ऐसा कर सकते हैं तो मैं क्यों नहीं? अगर कोई मुझसे पूछ ले कि सबूत क्यों मिटा रहे हो तो मैं सीना ठोक कर कहूंगा, 'भाई, मैं तो अपनी इज्जत बचा ...

सबूत मिटा रहा हूं भाई

आजकल बाकी सारे काम धाम छोड़कर मैं एक बहुत महत्वपूर्ण काम में लगा हू और पूरे जी–जान से लगा हू। जी–जान से इसलिए लगा हूं क्योंकि इस काम के साथ मेरी पूरी साख और मेरा पूरा भविष्य जुड़ा हुआ है। मैं बाकी चीजें तो बर्दाश्त कर सकता हू, गर्मी बर्दाश्त कर सकता हू, सर्दी बर्दाश्त कर सकता हू, महंगाई बर्दाश्त कर सकता हू, भ्रष्टाचार बर्दाश्त कर सकता हू, लेकिन यह कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता कि मेरी साख पर कोई धब्बा लगे और मेरा भविष्य अंधकारमय हो जाए। अपनी साख और भविष्य बचाने के लिए मैं जिस महत्वपूर्ण काम में दिन–रात लगा हू, वह काम है सबूत मिटाने का। आज तक मैंने जो भी ऐसे–वैसे काम किए हैं, उनके सबूत मिटाना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन मैं कर रहा हू, क्योंकि मैं हमेशा से चैलेंज स्वीकार करता हू। मेरे ऐसे–वैसे कामों की लिस्ट बहुत लंबी है। इतनी लंबी कि अगर उसे किसी सीबीआई ऑफिस के बाहर टांग दूं तो जांच अफसरों को ओवरटाइम लगाना पड़े। लेकिन मैं भी हार मानने वाला नहीं हू। एक–एक सबूत मिटा कर रहूंगा। फिर सारी जांच एजेंसियां खाली हाथ रह जाएंगी। इस काम में मैं पुलिस को भी फॉलो कर रहा हू और नेताओं को भी फॉलो कर रहा हू। पुलिस कई बार बड़ी सफाई से सबूत मिटा देती है, बस ऊपर से इशारा मिलने की देर होती है। इसी तरह नेता भी सबूत मिटाने के विशेषज्ञ माने जाते हैं। मैं इन दोनों का अनुसरण कर रहा हू और सबूत मिटा रहा हू। पहले मैंने सोचा था कि एक अदद वकील रख लूं जो मेरे पक्ष में दलील दे, लेकिन वकील रखने से बेहतर है कि दलीलों की जरूरत ही न पड़े। जब सबूत ही नहीं रहेगा तो गवाह अपने आप पलट जाएंगे। अब मैंने अपने पुराने दोस्तों को भी अलर्ट कर दिया है, कोई गलती से मुंह न खोल दे। मुंह पर ताला लगवाने के लिए मैंने उन्हें चाय समोसे से लेकर हफ्ते भर के राशन तक का इंतजाम कर दिया है। मैंने बच्चों को भी सख्त हिदायत दी है कि स्कूल में मम्मी से ज्यादा पापा के कामों के बारे में कोई सवाल आए तो 'आई डोंट नो' बोलकर बात खत्म कर देना। कुछ सबूत तो डिजिटल थे, मोबाइल, लैपटॉप, सीसीटीवी। वो भी मैं धीरे–धीरे डिलीट कर रहा हूं। पहले तो सोचा कि मोबाइल गुम कर दूं, लेकिन फिर लगा कहीं कोई भला आदमी ढूंढ कर वापस न दे दे। इसलिए अब मैंने खुद ही उसकी मेमोरी फॉर्मेट कर दी है, दो बार, ताकि कहीं कोई डाटा रिकवरी वाला भी उंगली न कर पाए।

कुछ सबूत पुराने अखबारों में छपे थे, उनको मैं रद्दी वाले से खरीदकर भट्ठी में झोंक आया हूं। अब कोई चाहे तो राख उठाकर डीएनए टेस्ट कर ले! कुछ दोस्तों के साथ की फोटो सोशल मीडिया पर थी, वो भी धीरे–धीरे डीएक्टिवेट कर दी है। कुछ पुराने ट्वीट्स में मेरे काले–पीले विचार थे, वो भी मैंने डिलीट कर दिए हैं। अब अगर कोई स्क्रीनशॉट दिखा दे तो कह दूंगा कि यह फोटोशॉप है, मुझे बदनाम करने की साजिश है! मैंने तो अपने घर के कबाड़ तक छान डाले हैं, कहीं कोई पुराना बिल, रसीद, चिट्ठी, संदिग्ध पर्ची न बची रहे। पत्नी को भी समझा दिया है कि अगर कोई पूछे तो कह देना– 'साहब तो बड़े शरीफ हैं, इनके खिलाफ बोलने वाला जरूर झूठा होगा।' पत्नी ने भी मुस्कराकर हामी भर दी, आखिर उसे भी पता है कि मेरे उज्ज्वल भविष्य में ही उसकी गृहस्थी की रोशनी है। कभी–कभी सोचता हू कि इतने सबूत मिटा कर मैं कोई गुनाह तो नहीं कर रहा? लेकिन फिर दिल को समझा लेता हू कि यह गुनाह नहीं, सुरक्षा कवच है। जब बड़े–बड़े लोग ऐसा कर सकते हैं तो मैं क्यों नहीं? अगर कोई मुझसे पूछ ले कि सबूत क्यों मिटा रहे हो तो मैं सीना ठोक कर कहूंगा, 'भाई, मैं तो अपनी इज्जत बचा रहा हू। लोकतंत्र में इज्जत बचाना कोई आसान काम नहीं है।' अब तो आलम यह है कि सपने में भी मैं सबूत ही मिटा रहा हू, कभी बक्से में ताले लगा रहा हू, कभी हार्ड डिस्क जला रहा हू, कभी पुरानी डायरी फाड़ रहा हू।

नाग चंद्रेश्वर मंदिर वर्ष में एक बार खुलता है

महाकाल मंदिर के ऊपर नागचंद्रेश्वर मंदिर है, जहां भगवान शिव और पार्वती नागशय्या पर विराजमान हैं यह मंदिर साल में केवल एक बार, नागपंचमी पर खुलता है। नागचंद्रेश्वर मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर स्थित है। यह मंदिर में भगवान शिव और माता पार्वती की एक दुर्लभ प्रतिमा है, जिसमें वे शेषनाग पर विराजमान हैं। सनातनी मान्यता है कि नागराज तक्षक ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की थी, जिसके बाद भगवान शिव ने उन्हें अमरता का वरदान दिया और कहा कि वह हमेशा उनके सान्निध्य में रहेंगे। इसलिए, नागराज तक्षक को महाकाल वन में रहने दिया गया और तभी से नागचंद्रेश्वर मंदिर में नागराज तक्षक का वास माना जाता है। नाग पंचमी के दिन, भक्त नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन करने, कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए आते हैं। नाग चंद्रेश्वर को 11वीं शताब्दी में परमार राजा भोज ने बनवाया था। बाद में इस मंदिर का जीर्णोद्धार 1732 में राणोजी सिंधिया ने किया था। मंदिर में विराजित मूर्ति 7वीं शताब्दी में नेपाल से उज्जैन लाई गई थी। यह शिव और देवी पार्वती की दुर्लभ मूर्ति है। श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में स्थित नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा 7 वीं शताब्दी की है। इस प्रतिमा की विशेषता यह है कि इसमें फन फैलाए नाग के आसन पर भगवान शिव और मां पार्वती विराजमान है। इसके साथ ही इसमें नंदी और सिंह भी विराजमान है। भगवान शिव की पूरी दुनिया में यह एक अनोखी प्रतिमा है जिसमें नाग शैया पर भोले विराजमान है। इस अद्भुत प्रतिमा के साथ मंदिर में सप्तमुखी नाग देव की प्रतिमा है

लेखक रू विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

किसान आत्महत्या और अमीरों की कर्जमाफी

बैंक के लोग सौ तरह के सवाल पूछते हैं, शर्तें रखते हैं और तब जाकर कर्ज मिलता है। अगर किसी वजह से किसान कर्ज न चुका पाए, तो उसे प्रताड़ित किया जाता है। सरकार जानती है कि कर्ज लेकर किसान देश छोड़कर तो भागेगा नहीं, लिहाजा उससे पाई–पाई वसूलने की सख्ती दिखाई जाती है। जब किसान हर तरफ से हारता है, तो फिर दुनिया छोड़कर जाने का रास्ता ही उसे नजर आता है। राहुल गांधी ने इस बारे में लिखा है...

मोदी सरकार के 11 सालों के जश्न के बीच दो ऐसी खबरें आई हैं, जो एकबारगी बिल्कुल अलग–अलग दिखती हैं लेकिन गौर से देखें तो दोनों के बीच गहरा संबंध है। दोनों ही खबरें मोदी सरकार की बड़ी नाकामी को जाहिर करती है बशर्ते प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अहसास हो कि उनका काम केवल दुनिया की सैर करना और अपना प्रचार करना नहीं है, बल्कि इस देश को चलाना और यहां के नागरिकों का ख्याल रखना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। 11 साल पहले जब नरेन्द्र मोदी सत्ता में आए थे, तो बात–बात में 60 साल बनाम 60 महीने का जिक्र करते और दावा करते थे कि पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया, केवल देश को बर्बाद किया है। लेकिन अब खुद नरेन्द्र मोदी को सत्ता पर बैठे 132 महीने हो चुके हैं और इस समय जो बर्बादी दिख रही है श्री मोदी उसे नजरंदाज कर रहे हैं। एक खबर आई है महाराष्ट्र से जहां पिछले तीन महीनों में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। महाराष्ट्र में किसान आत्महत्या एक गंभीर समस्या बन चुकी है। साल दर साल आत्महत्या से होने वाली मौतों के आंकड़े बदल रहे हैं, लेकिन सरकार इस तरफ कोई ध्यान ही नहीं दे रही है। मानो गरीब आदमी जिए या मरे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। खुद सरकार ने किसान आत्महत्या के आंकड़े विधानपरिषद में पेश किए हैं। महाराष्ट्र के राहत और पुनर्वास मंत्री मकरंद पाटिल ने एक लिखित जवाब में विधान परिषद में बताया कि जनवरी 2025 से मार्च 2025 के बीच राज्य में आत्महत्या

के 767 मामले सामने आए हैं। आत्महत्या करने वाले 767 किसानों में से 373 किसान परिवार सरकार की मदद के लिए पात्र हो गए हैं जबकि 200 किसानों के परिवारों को कोई सहायता नहीं मिल पाएगी, क्योंकि वे सरकार द्वारा तय किए गए मानदंडों पर खरे नहीं उतरे। वहीं अभी 194 मामले जांच के लिए लंबित हैं। सोचिए कैसी विडंबना है कि जिन लोगों के घरों में आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाया गया, क्योंकि उनके लिए सम्मानित जीवन के सारे रास्ते बंद हो गए, उन लोगों को सहायता देने के लिए सरकार अब भी मानदंडों पर परख रही है। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार आत्महत्या करने वाले किसान के परिवार को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देती है। इससे भी जाहिर होता है कि सरकार कहीं न कहीं अपनी ही कमजोरी को स्वीकार कर रही है। जो धनराशि किसी की जान चले जाने के बाद सहायता के तौर पर दी जा रही है, अगर वह पहले ही जिम्मेदारी के तौर पर किसानों को मिल जाए, तो कितने लोग अकाल मौतों से बचाए जा सकते हैं। लेकिन सरकार की प्राथमिकता में किसान नहीं उद्योगपति हैं। ये एक दूसरी खबर से जाहिर होता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के कर्ज खाते को धोखाधड़ीर के रूप में वर्गीकृत कर दिया है। इसके साथ ही बैंक ने कंपनी के पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को रिपोर्ट करने का निर्णय लिया है। एसबीआई की धोखाधड़ी पहचान समितिर की जांच में पाया गया कि आरकॉम द्वारा प्राप्त लोन का इस्तेमाल निर्धारित उद्देश्यों के बजाय अन्यत्र किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, समूह की विभिन्न इकाइयों के बीच फंड के ट्रांसफर का एक जटिल जाल फैला हुआ है, जो फंड डायवर्जन की ओर इशारा करता है। बैंक ने बताया कि श्कारण बताओ नोटिसश् के जवाबों की जांच के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि कंपनी और उसके पूर्व निदेशक अनिल अंबानी लोन शर्तों के उल्लंघन और बैंक की संतुष्टि के लिए आवश्यक स्पष्टीकरण देने में विफल रहे। इसके चलते उ प्त खाते को श्धोखाधड़ीश घोषित किया गया। धोखाधड़ी पहचान समिति की रिपोर्ट के मुताबिक आर कॉम ने 13,667.73 करोड़ का उपयोग कर्ज और दायित्वों के पुनर्भुगतान में किया है। 12,692.31करोड़ रुपए की राशि संबंधित पक्षों को भुगतान में लगाई गई। 6,265.85 करोड़ रुपए अन्य बैंकों के कर्ज चुकाने में प्रयोग हुआ। और 5,501.56 करोड़ रुपयों का भुगतान जुड़ी कंपनियों को किया गया। यानी आरकॉम ने जिन कारणों को सामने रखकर लंबा–चौड़ा कर्ज लिया, उस राशि का इस्तेमाल दूसरी जगहों पर किया है। इसलिए इसे धोखाधड़ी कहा जा रहा है। इस रिपोर्ट के निष्कर्षों को अनिल अंबानी के वकीलों ने एकतरफा बताते हुए खारिज किया है। अपनी सफाई में तर्क पेश करना उनका अधिकार है। इस मामले में अब आरबीआई क्या करता है, क्या एसबीआई की रिपोर्ट पर अनिल अंबानी की कंपनी पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं, ये अलग बात है। देश ने विजय माल्या, ललित मोदी, नीरव मोदी जैसे लोगों को हजारों करोड़ का कर्ज लेकर देश से भाग जाने और विदेशों में ऐश का जीवन जीने के उदाहरण देखे है। खुद को कंगाल बताकर ये लोग जनता से लूटे धन पर अय्याशी करते हैं, क्योंकि सरकार भी इनकी अनकही मदद करती है। जिस तरह आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवार को मदद करने के सरकारी मापदंड बनाए गए हैं वैसे मापदंड इन भगोड़े अमीरों के लिए क्यों नहीं बनते, ये सवाल सरकार से पूछा जाना चाहिए। गरीब किसान को चंद हजार का कर्ज लेना भी मुश्किल होता है।

धर्मोन्मादी राजनीति का नुकसान

जहां लाखों की भीड़ आई हो, वहां केवल दस हजार जवानों से व्यवस्था कैसे संभाली जा सकती थी। जाहिर है भाजपा ने एक बार फिर आम आदमी की जान को बहुत हल्के में लिया है। इसमें जान का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोई मुआवजा नहीं कर पाएगा। वहीं विश्वप्रसि) रथयात्रा की भव्यता पर भी भाजपा ने दाग लगाया है। पुरी की जगन्नाथ यात्रा दुनिया भर में ...

भाजपा धर्म और संस्कृति की माला दिन–रात जपती है। उसकी सारी राजनीति ही धार्मिक मुद्दों के इर्द–गिर्द रहती है। अपने फायदे के लिए लोगों में धर्मांधता और धर्मोन्माद जगाने से भी भाजपा को परहेज नहीं है। ऐसा करके भाजपा को तो सत्ता हासिल हो रही है, लेकिन आम जनता का कितना नुकसान होता जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में हुई भगदड़ से सामने आया है। अभी छह महीने नहीं बीते, जब प्रयागराज में महाकुंभ में भारी भगदड़ मची थी। भाजपा सरकार को इस बात का रिकार्ड कायम करना था कि उसके शासनकाल में आयोजित कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की कितनी भीड़ जुट रही है। सेव लंक – दमै–पठहन संविधान की प्रस्तावना के साथ न हो खिलवाड़ रोजाना के आंकड़े सरकार पेश करती थी कि आज इतने करोड़ लोग पहुंचे, आज इतने करोड़ लोगों ने स्नान किया। देश–दुनिया से श्रद्धालु ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे, इसके लिए खूब विज्ञापन और प्रचार–प्रसार किया गया। हालांकि भारत में सदियों से धार्मिक आयोजन होते रहे हैं और जिन्हें सच में श्रद्धा होती है, वे अपने आप तीर्थाटन के लिए निकलते ही हैं। किंतु भाजपा के शासनकाल में तीर्थ यात्रा, धार्मिक मेले इन सब में अब श्रद्धा से ज्यादा दिखावे का बोलबाला दिखने लगा है। लोग धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं और जिन पर व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है, उनकी लापरवाही अक्सर जानलेवा साबित हो रही है। महाकुंभ में मची भगदड़ में कई लोग मारे गए और सरकार ने अब तक उनकी सही संख्या नहीं दी है। अब रथयात्रा में भी भगदड़ से कम से कम तीन लोगों की मौत की खबर है। सेव लंक – दमै–पठहन विश्वशांति के लिए सर्वधर्म समन्वय अनिवार्य भारत के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों में से एक पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान रविवार तड़के गुंडिचा मंदिर के पास सराधाबली में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। रथ यात्रा के तीसरे दिन, जब रथ गुंडिचा मंदिर के पास था, तब भारी भीड़ ने दर्शन के लिए धक्का–मुक्की शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थिति तब और बिगड़ गई जब दो ट्रक, जिनमें रस्मों के लिए सामग्री लादी गई थी, भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में प्रवेश कर गए, जिससे अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ, तब न अग्निशमन अधिकारी, न ही बचाव दल, और न ही अस्पताल की टीम ने तत्काल मदद की। वहां मौजूद लोगों के मुताबिक भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था बेहद खराब थी।

फिलहाल जिला प्रशासन का कहना है कि पीड़ितों को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया और गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज चल रहा है। लेकिन अब इस पर सियासी बयानबाजी भी शुरु हो चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस हादसे को सरकार की श्घोर अक्षमताश का परिणाम बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, श्यह भगदड़ जो रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन की विफलता के ठीक एक दिन बाद हुई सरकार की नाकामी को उजागर करती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस हादसे में प्रारंभिक मदद श्रद्धालुओं के परिजनों से मिली, सरकारी मशीनरी पूरी तरह अनुपस्थित थी।श सेव लंक – दमै–पठहन सिंदूर–मानो बचाने की अच्छी परंपराएं बता दें कि इससे पहले 27 जून को भी रथ यात्रा के दौरान गजपति राजा के महल के पास श्री नहर क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति में 40 से अधिक श्रद्धालु बेहोश हो गए थे और उन्हें पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। इसी दिन एक अन्य हादसे में, तलध्वज रथ (भगवान बलभद्र का रथ) को खींचने के दौरान भारी भीड़ के कारण 500 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए थे, जिनमें से आठ की हालत गंभीर थी। इस घटना ने भी प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए थे। सेव लंक – दमै–पठहन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन वैश्विक दक्षिण में भारत की छवि चमकाने का अवसर जब दो–तीन दिनों में ऐसी घटनाएं हो चुकी थीं, जिनमें गंभीर नुकसान हो सकता था, तो फिर सरकार और प्रशासन सचेत क्यों नहीं हुए, ये बड़ा सवाल है। भाजपा अब भी अपनी जिम्मेदारी से ज्यादा विपक्ष पर हमला बोलने में लगी है। नवीन पटनायक ने कुप्रबंधन पर ध्यान दिलाया तो अब ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने पटनायक का नाम लिए बिना पूर्ववर्ती बीजद सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा कि 1977 से रथ यात्रा की प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आई थी। हालांकि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और मंत्री मुकेश महालिंग ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट में कहा– श्व्यक्तिगत रूप से, मेरी सरकार और मैं सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। हम अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं . यह लापरवाही असह्य है। सुरक्षा चूक की तत्काल जांच की जाएगी। मैंने निर्देश दिया है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।श अब सोचने वाली बात यह है कि जब मुख्यमंत्री खुद इस लापरवाही को असह्य मान रहे हैं तो क्या जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगने के साथ–साथ वे अपने पद से इस्तीफा देने का नैतिक साहस दिखा पाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल पर बढ़ी तकरार, एलन मस्क ने नई पार्टी का किया ऐलान

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद, उनके सपनों का वन बिग ब्यूटीफुल बिल अब कानून बन गया है। इस नए कानून के आते ही, ट्रंप और अमेरिका के जाने–माने बिजनेसमैन एलन मस्क के बीच का तनाव और भी गहरा गया है। ट्रंप के साथ चल रही इस खींचतान के बीच, टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। मस्क ने इस बारे में लोगों की राय जानने के लिए एक सर्वे भी करवाया था और उसके नतीजे बेहद हैरान करने वाले थे, ज्यादातर अमेरिकी लोगों ने उनकी नई पार्टी बनाने के पक्ष में वोट किया।

टेक दिग्गज मस्क ने स्वतंत्रता दिवस पर अमेरिकियों से पूछा था, क्या आप दो–पक्षीय (कुछ लोग इसे एक–पक्षीय कहते हैं) प्रणाली से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? उनके सर्वेक्षण में 1,248,856 लोगों ने मतदान किया, जिसमें से 65 प्रतिशत प्रतिभागियों ने हाँ में मतदान किया, जबकि 34.6 प्रतिशत ने नहीं में मतदान किया।

इसके बाद शनिवार को एलन मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, 2 से 1 के अनुपात में, आप एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और आपको यह मिल जाएगी! जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है, तो हम एक–पक्षीय प्रणाली में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं। आज, अमेरिका पार्टी आपको आपकी आजादी वापस दिलाने के लिए बनाई गई है।

एलन मस्क 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति अभियान के बड़े दानदाताओं में से एक थे। हाल तक, यह माना जाता था कि मस्क, ट्रंप के खास करीबी थे। हालांकि, डोज से बाहर निकलने के बाद, मस्क और ट्रंप के बीच खुलेआम मतभेद और बहस देखी गई। इसकी मुख्य वजह यह थी कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क, ट्रंप के वन बिग ब्यूटीफुल बिल से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। मस्क ने बार–बार इस टैक्स बिल को खत्म करने की अपील की, लेकिन ट्रंप ने शुक्रवार को इस पर दस्तखत कर इसे कानून बना दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंचे, प्रवासी भारतीयों ने किया भव्य स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी घाना और त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पूरी कर रविवार (स्थानीय समय अनुसार शनिवार शाम) को ब्राजील में कदम रखा। रियो डी जेनेरियो के गैलियो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो वियरा ने किया।

हवाई अड्डे पर अपने स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने X (पहले ट्विटर) पर लिखा, ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में उतरा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के लिए उनकी राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इस यात्रा के दौरान बैठकों और बातचीत के एक उत्पादक दौर की उम्मीद है।

हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिले। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत की और उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान कई भारतीयों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के जोरदार नारे लगाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात की खुशी भी X पर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया, ब्राजील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जेनेरियो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के बारे में भी बहुत भावुक हैं। यहां स्वागत समारोह की कुछ झलकियां दी गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी यहां 2025 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उनकी ब्राजील यात्रा पांच देशों के दौरे का चौथा पड़ाव है, जो 2 जुलाई को शुरू हुआ था। इस दौरे का समापन नामीबिया में होगा।

पीएम मोदी ब्राजील में, ब्रिक्स में उठाएंगे आतंकवाद का मुद्दा, अमेरिकी टैरिफ पर भी होगी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी घाना और त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पूरी करने के बाद रविवार (स्थानीय समय अनुसार शनिवार शाम) को ब्राजील पहुंच गए हैं। वे यहां रियो डी जेनेरियो में होने वाले 2025 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस साल का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कुछ खास है क्योंकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल नहीं होंगे। फिर भी, इस सालाना बैठक का एजेंडा काफी भरा हुआ है।

ब्राजील, प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा का चौथा पड़ाव है, जो 2 जुलाई को शुरू हुई थी। वे सबसे पहले घाना गए, फिर त्रिनिदाद और टोबैगो। इसके बाद वे अर्जेंटीना पहुंचे, जो पिछले पांच दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। अब ब्राजील से वे नामीबिया जाएंगे, जहां उनका यह लंबा राजनयिक दौरा खत्म होगा।

ब्राजील में पीएम मोदी, भारत का ब्रिक्स एजेंडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे पहली प्राथमिकता यह है कि ब्रिक्स देशों का समूह आतंकवाद की कड़ी निंदा करे। उम्मीद है कि रियो डी जेनेरियो में जारी होने वाले ब्रिक्स घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की जाएगी। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

भारत ने इस हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पीओजेके (पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर) और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

इसके अलावा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई और अहम मुद्दों पर बात होगी, जलवायु वित्त, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पैसों का इंतजाम। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर सहयोग, AI के क्षेत्र में मिलकर काम करना।

नई स्वास्थ्य पहल, असमानता कम करने के मकसद से स्वास्थ्य क्षेत्र में नई योजनाएं।

राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार, भारत इस बात पर जोर दे रहा है कि देश आपस में अपनी ही करेंसी (पैसे) में व्यापार करें, ताकि अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो।

ट्रंप के टैरिफ पर ब्रिक्स देशों की राय

रविवार को रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स नेताओं की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए धुंआधार व्यापार शुल्कों (टैरिफ) की भी निंदा किए जाने की उम्मीद है। इन शुल्कों को अवैध बताया जाएगा और कहा जाएगा कि ये वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एएफपी (AFP) द्वारा मिले शिखर सम्मेलन के मसौदा बयान के अनुसार, ये उभरते हुए देश, जो दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और वैश्विक आर्थिक उत्पादन में 40 प्रतिशत का योगदान देते हैं, अमेरिकी आयात शुल्कों को लेकर गंभीर चिंताएं जताने के लिए एकजुट हो गए हैं।

मसौदा घोषणा में सीधे तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका या उसके राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन रविवार और सोमवार को होने वाली बातचीत में नेता इसमें बदलाव कर सकते हैं। मसौदा में कहा गया है, हम एकतरफा टैरिफ और ऐसे गैर–टैरिफ उपायों के बढ़ने पर गंभीर चिंता जताते हैं जो व्यापार को खराब करते हैं और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के खिलाफ हैं। मसौदा में चेतावनी दी गई है कि ऐसे कदम वैश्विक व्यापार को और कम करने की धमकी देते हैं और वैश्विक आर्थिक विकास की संभावनाओं को प्रभावित कर रहे हैं।

एएमयू अलीगढ़ प्रवेश परीक्षा में हफीफा और जयान ने पाई सफलता

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ द्वारा आयोजित कक्षा 9 की प्रवेश परीक्षा में डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के दो बच्चों ने सफलता हासिल की है। बच्चों की सफलता पर परिजनों सहित स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर की है।

डुमरियागंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 राजेंद्र नगर निवासी सुहैल अहमद की पुत्री अफीफा तबस्सुम व डुमरियागंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 महाराजा अग्रसेन नगर निवासी मोहम्मद नदीम के पुत्र मोहम्मद जयान ने कक्षा 9 की प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित की है। इस सफलता पर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। अफीफा तबस्सुम ने जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली द्वारा कक्षा 9 के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में भी सफलता अर्जित की है। मोहम्मद जयान के पिता डुमरियागंज ब्लॉक क्षेत्र के उच्च कंपोजिट विद्यालय भारत भारी में अध्यापक हैं। वहीं अफीफा तबस्सुम के पिता सुहैल अहमद पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेखुई में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। दोनों छात्रों के सफलता पर राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक नसीम अहमद, राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक धर्मराज दुबे, बशीर फारूकी, शिक्षक नेता दिनेश सिंह, राकेश पांडे, मोहम्मद सलीम, आरिफ उस्मानी, राम नारायण दुबे, नंदलाल, इंजीनियर इरशाद अहमद, जहीर मलिक, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अतिकुर रहमान, सभासद नसीम अहमद, परवेज अहमद आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की सुपरफास्ट रफ्तार, रिकॉर्डतोड़ निर्यात और 6.5 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ के साथ दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है, और दुनिया में सबसे तेजी से प्रगति करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी जगह बना चुकी है। वित्त वर्ष 2024–25 में 6.5% की शानदार जीडीपी बढ़ोतरी, रिकॉर्ड तोड़ निर्यात और नियंत्रण में आई मुद्रास्फीति ने भारत की आर्थिक कहानी को और भी मजबूत किया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के अनुसार, इस वैश्विक परिवेश में भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रगति का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। मजबूत घरेलू विकास कारकों, बेहतर मैक्रोइकोनॉमिक मूलतत्व और सूझबूझ भरी नीतियों के चलते विकास की गति में उछाल आ रहा है। विकास की मजबूत रफ्तार

वित्त वर्ष 2024–25 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उम्मीद है कि विकास की यह गति 2025–26 में भी जारी रहेगी। यह प्रभावशाली प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग, बढ़ते निजी निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्च सार्वजनिक निवेश के कारण संभव हुआ है। पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग तीन गुना हो गया है जो 2014–15 में 106.57 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 331.03 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। महंगाई पर बड़ी राहत अर्थव्यवस्था के लिए एक और बड़ी सकारात्मक खबर मुद्रास्फीति के मोर्चे पर है। मई 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति दर घटकर 2.82% पर आ गई, जो फरवरी 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इससे भी बड़ी राहत खाद्य वस्तुओं की कीमतों में देखने को मिली, जहां उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) मात्र 0.99% दर्ज किया गया, जो अक्टूबर 2021 के बाद की सबसे कम खाद्य मुद्रास्फीति है।

विदेशी मोर्चे पर भी शानदार प्रदर्शन: भारत का बाहरी क्षेत्र अर्थव्यवस्था को एक मजबूत सहारा दे रहा है। रिकॉर्ड निर्यातः 2024–25 में भारत का कुल निर्यात 824.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए शिखर पर पहुंच गया। यह एक दशक पहले 2013–14 के 466.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77% की वृद्धि दर्शाता है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश : भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक शीर्ष विकल्प बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024–25 में एफडीआई प्रवाह 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। यह 2013–14 में मिले 36.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर के दोगुने से भी अधिक है। विदेशी मुद्रा भंडारः भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 20 जून, 2025 तक 697.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विशाल स्तर पर था। यह 11 महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है, जो वैश्विक झटकों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करता है। बाजार में बढ़ता भरोसा

भारतीय पूंजी बाजार में निवेशकों का भरोसा उच्चतम स्तर पर है। देश में खुदरा निवेशकों की संख्या 2019 में 4.9 करोड़ से 2.7 गुना बढ़कर 2024 के अंत तक 13.2 करोड़ हो गई। इसके अलावा, वैश्विक आईपीओ लिस्टिंग में भारत की हिस्सेदारी 2024 में बढ़कर 30% हो गई, जो दुनिया में सबसे अधिक है। संक्षेप में, भारत ने उच्च विकास दर और मूल्य स्थिरता के बीच एक सफल संतुलन बनाया है। मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के साथ, भारत वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और एक सुदृढ़ भविष्य के निर्माण के लिए अच्छी स्थिति में है।

चेयरमैन शोहरतगढ़ ने अधिशासी अभियन्ता से किया अनुरोध, लिखा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में विद्युत की बढ़ती मांग एवं भयंकर गर्मी में आये दिन निकाय सीमान्तर्गत स्थित ट्रांसफार्मर जल जाने के सम्बन्ध में शनिवार को चेयरमैन शोहरतगढ़ उमा अग्रवाल ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड जनपद सिद्धार्थनगर को पत्र लिखकर अनुरोध किया है।

पत्र के माध्यम से चेयरमैन ने बताया कि नागरिकों को विद्युत आपूर्ति की सप्लाई सुचारू रूप से नहीं मिल पा रही है। जिसको लेकर क्षेत्रीय नागरिकों में विभाग/शासन के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त रहता है। निकाय सीमान्तर्गत निवासित नागरिकों की जन समस्याओं के दृष्टिगत एक अदद मोबाइल ट्रांसफार्मर 400 केवीए की उपलब्धता आकस्मिक कार्यों हेतु होना आवश्यक प्रतीत हो रहा है। इसलिए अधिशासी अभियन्ता से अनुरोध किया है कि उक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए नगर पंचायत शोहरतगढ़ में जनहित के दृष्टिगत एक अदद मोबाइल ट्रांसफार्मर 400 केवीए की आपूर्ति कराने का कष्ट करें, आपकी कृपा होगी।

वृक्ष हमारे जीवन के आधार जय प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वृक्ष हमारे जीवन के आधार हैं। राजस्थान के बाड़मेर व जैसलमेर क्षेत्र में जहां कम वर्षा होती थी, वहां पेड़ों की संख्या अधिक लगा देने से क्षेत्र में वर्षा की समस्या दूर हो गई तथा क्षेत्र हरा भरा हो रहा है, हम सभी को खाली पड़ी जमीनों पर वृक्षारोपण करते हुए रोपित पौधों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिये उक्त विचार एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत रतन सेन इंटर कॉलेज बांसी परिसर में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में रुद्राक्ष के पौधरोपित कर मुख्य अतिथि जय प्रताप सिंह विधायक बांसी ने व्यक्त किया उन्होंने उक्त अवसर पर स्कूली बच्चो को विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी वितरित किया। मुख्य अतिथि विधायक बांसी का स्वागत शिव कुमार गुप्ता क्षेत्रीय वन अधिकारी बांसी ने बुके भेंट कर किया। अध्यक्षीय संबोधन में संजय कुमार दुबे प्रधानाचार्य रतन सेन इंटर कॉलेज बांसी ने कहा की वृक्षारोपण से स्वच्छ पर्यावरण की स्थापना में बल मिलता है। शिव कुमार गुप्ता क्षेत्रीय वन अधिकारी बांसी ने उक्त अवसर पर कहा कि हम सभी को पर्यावरण के प्रति सतत जागरूक रहना चाहिए जिसके लिए वृक्षारोपण आवश्यक है उक्त अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली व चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सिद्धार्थ शंकर पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य संजय कुमार दुबे,एनसीसी के कैप्टन डॉ संदीप कुमार सिंह, प्रवक्ता योगेंद्र सिंह,रवीश दत्त शुक्ला ,जितेंद्र कुमार द्विवेदी, कुलदीप चौधरी, तारकेश्वर नाथ तिवारी, धर्मेंद्र कुमार, मनोज पांडे, आनंद प्रवक्ता जवाहर नवोदय विद्यालय व स्कूली बच्चे लव कुश ,नादिया ,काजल ,आशुतोष, महेंद्र ,केशव मौर्य व वन दरोगा संदीप कुमार , वनरक्षक अरबाज तथा स्टाफ दिनेश कुमार, अर्जुन, जगदीश ,संजय वीरेंद्र ,अभय समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

संस्कार मित्र मण्डली 14 जुलाई को पारंपरिक कांवड़ यात्रा का करेगी भव्य आयोजन

संस्कार मित्र मण्डली (पंजीकृत) द्वारा कांवड़ यात्रा एवं भंडारे हेतु बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। संस्कार मित्र मण्डली (पंजी.त), बांसी द्वारा विगत दिनो संस्था कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा एवं विशाल भंडारे के आयोजन पर चर्चा की गई बैठक की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक अरविंद गुप्ता ने की।

प्रमुख उपस्थितजनो में अध्यक्ष सूरज अग्रहरि, उपाध्यक्ष गोविंद गुप्ता, महामंत्री गोलू चौधरी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संयोजक आकाश अग्रहरि त्रिभुवन सैनी, धर्मेन्द्र कुमार, विशाल सोनी, विपुल, लवकुश अग्रहरि, रवि सैनी, सुनील श्रीवास्तव एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष दिनांक 14 जुलाई 2025 (रविवार) को पारंपरिक कांवड़ यात्रा का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा। यात्रा की शुरुआत सुरसा हनुमान मंदिर, बांसी से होगी, जहां से श्रद्धालु राप्ती नदी के तट से गंगाजल लेकर नगर भ्रमण करेंगे यात्रा मार्ग निम्नानुसार रहेगा सुरसा हनुमान मंदिर राप्ती नदी जल भराव स्थल 5 मंगल बाजार टेक्चर मंदिर बाबा मंदिर माधव पार्क मार्ग (समापन) राधा श्याम मंदिर रोडवेज शिव मंदिर माघ मेला शिवालय श्याम नगर शिवालय कोतवाली परिसर शिव मंदिर बढ़नीया (जलाभिषेक) सुरसा हनुमान मंदिर इसके अतिरिक्त, सावन माह के अंतिम सोमवार, दिनांक 04 अगस्त 2025, को सुरसा हनुमान मंदिर, पटेल नगर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के भाग लेने की संभावना है।संस्कार मित्र मण्डली ने आमजन, श्रद्धालुओं तथा प्रशासन से आयोजन को सफल बनाने हेतु सहयोग एवं सहभागिता की अपील की है।

लोकल रूट पर यात्रियों को समय से नहीं मिल रहीं बसें

देवरिया। जिला मुख्यालय से रुद्रपुर रोडवेज बस के भरोसे हैं तो तय है आपको बस नहीं मिलेगी। ऐसे में यात्रियों के लिए ऑटो व टेम्पो ही विकल्प बन रहे हैं। अच्छी सड़क होने के बावजूद भी रोडवेज की ओर से इस रूट पर बसें नहीं चलाने से इधर के यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। यही हाल भाटपाररानी व बनकटा जाने वाले यात्री का भी हो रहा है। जिला मुख्यालय से रुद्रपुर, बनकटा, भाटपाररानी दिन के समय में जाना है तो आपको टुकड़ों –टुकड़ों में यात्रा करनी पड़ेगी। रुद्रपुर रोड की अच्छी सड़क होने के बावजूद भी रोडवेज की ओर से सुबह में मात्र एक बस ही चलाई जा रही है। जबकि उधर के यात्री ऑटो व टेम्पो से ही यात्रा पूरी करते हैं। पचलढ़ी के राजेश राय, रुद्रपुर नगर के सुरेश कुमार ने बताया कि दिन में रोडवेज परिसर से बस नहीं मिलने पर ई–रिक्शा से भटवलिया बस स्टैंड या रुद्रपुर मोड़ पर जाकर सवारी पकड़नी पड़ती है। दिन में भी जिम्मेदारों को इस रूट पर बसें चलानी चाहिए। उधर रोडवेज के वरिष्ठ केंद्र प्रभारी राकेश पति त्रिपाठी ने बताया कि रुद्रपुर के लिए बसों की संख्या कम है। भाटपाररानी के लिए सेवा संचालित हो रही है। चालकों की समस्या दूर हो जाने के बाद इन रूटों पर और बसें चले, इसका प्रबंध किया जाएगा।

बालकुआं मुख्य मार्ग अब बनेगा सीसी

देवरिया देवरिया। बालकुआं गांव में जर्जर हुए 230 मीटर लंबे मुख्य मार्ग को सांसद निधि से सीसी मार्ग बनाने की 27 जून को स्वीकृति मिल गई है। जल्द इस मार्ग का निर्माण शुरू होगा। इस रास्ते गांव के अलावा क्षेत्र के कई गांवों के लोगों का आवागमन होता है। इस मार्ग की स्वीकृति मिलने पर लोगों ने खुशी जताई है। बालकुआं गांव में मुख्य मार्ग बहुत पहले इंटरलाकिंग हुआ था। अब मार्ग जर्जर हो चुका है। इस पर राह चलना मुश्किल है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूल आने –जाने वाले बच्चों को होती है। गांव के लोगों की मांग पर भाजपा नेता डॉ विनय कुमार राय ने सांसद शशांक मणि त्रिपाठी को मांग पत्र सौंपकर इस मार्ग को शीघ्र बनवाने की मांग की थी। इनके प्रस्ताव पर सांसद ने डीएम दिव्या मित्तल को पत्र लिखकर इस मार्ग को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजनांतर्गत बनवाए जाने की बात कही। 230 मीटर लंबे इस मार्ग को 21.58 लाख रुपये की लागत से बनवाने की स्वीकृति 27 जून को मिल गई। इस मार्ग का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। इस बात की जानकारी होते ही प्रधान मुकेश राय, सुरेंद्र पांडेय, लखन प्रताप राय, जितेंद्र ने खुशी जताई है।

आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर युवक गिरफ्तार

देवरिया। फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में मेहरौना चौक इंचार्ज धर्मेंद्र मिश्रा की तहरीर पर पुलिस ने पुलिस ने लार थाना क्षेत्र के गड़वा खास गांव निवासी टीपू सुल्तान पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, फेसबुक पर आरोपी ने आपत्तिजनक पोस्ट डाला था। पोस्ट के समर्थन में उसने एक वीडियो भी डाला था, जो पश्चिम बंगाल के किसी जुलूस का था। इसमें कुछ लोग इस्लाम का झंडा लहरा रहे थे। युवक ने लार में फिलिस्तीनी झंडा लहराने पर की गई कार्रवाई के समर्थन में पश्चिम बंगाल के वीडियो का इस्तेमाल कर यहां के एक वर्ग विशेष पर निशाना साधा था।

लिच्छवी एक्सप्रेस में आरपीएफ ने पकड़ा एक बैग शराब

देवरिया। लिच्छवी एक्सप्रेस में रात करीब आठ बजे बनकटा रेलवे स्टेशन के आसपास आरपीएफ ने लावारिस बैग में करीब सौ बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया। शराब को जब्त करने के बाद आरपीएफ और जीआरपी मामले की जांच में जुट गई है। आरपीएफ के अनुसार आनंद विहार से सीतामढ़ी को जाने वाली लिच्छवी एक्सप्रेस में स्कॉर्ट टीम को बनकटा रेलवे स्टेशन के पास एक लावारिस बैग मिला। जांच करने पर बैग से करीब सौ बोतल अंग्रेजी और बियर रखा था। उप निरीक्षक प्रसाद सिंह ने बताया कि शराब को जब्त करने के बाद कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उमस भरी गर्मी में रुला रही बिजली

देवरिया। थोड़ी बारिश के बाद फिर से उमसभरी गर्मी चरम पर है। ऐसे में दिन–रात हो रही बिजली कटौती उपभोक्ताओं को रुलाने लगी है। एक तरफ रोस्टिंग कटौती तो दूसरी तरफ निगम के कर्मचारियों की लापरवाही से लगातार घंटों तक बिजली गुल रह रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार कुछ बोलने को तैयार नहीं है। उपभोक्ताओं की माने तो रात करीब दो बजे से सुबह चार बजे तक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप रही। सुबह उपकेंद्र पर कुछ उपभोक्ताओं ने पहुंच कर बिजली आपूर्ति बहाल कराई। जानकारी के मुताबिक, 132 केवीए विद्युत ट्रांसमिशन सलेमपुर से खुखुंदू विद्युत उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति संचालित होती है। यहां चार फीडरों बैदौली, सोनबरसा, नूनखार और गढ़ेर के माध्यम से क्षेत्र के ढाई सौ गांवों में बिजली आपूर्ति की जाती है। इधर, कई दिनों से बिजली आपूर्ति लड़खड़ा गई है। दिनभर का समय रोस्टिंग में चला जा रहा है, जबकि रात में लोकल फॉल्ट दुरुस्त करने और बिजली ट्रिप होने के बाद घंटों तक वैसे ही छोड़ देने के चलते कटौती का खेल चल रहा है। उपकेंद्र पर बिजली उपलब्ध रहने के बाद भी रात में नींद लगने के चलते दो से तीन घंटे तक आपूर्ति ठप रह रही है। उमस भरी गर्मी में हो रही जबरदस्त कटौती पर अंकुश लगाने की उपभोक्ताओं ने उच्चाधिकारियों से मांग की है। उपभोक्ताओं ने निगम के कर्मचारियों की शिकायत जेई से की है। जेई सोनू कुमार ने बताया कि दिन में रोस्टिंग कटौती हो रही है। रोस्टिंग के दौरान ही फॉल्ट दुरुस्त करने के लिए कर्मचारियों को कहा गया है। यदि रात में कटौती हो रही है तो इसकी जांच कराकर संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

नशे की दवाओं के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

महाराजगंज। पगडंडी तिलहवा के रास्ते भारत से नेपाल जा रहे एक बाइक पर सवार दो युवकों को नशे की दवाओं के साथ एसएसबी 66वीं वाहिनी और सोनौली पुलिस की संयुक्त टीम ने पकड़ लिया। बाद में केस दर्ज कर दोनों का चालान कर दिया। दोपहर एसएसबी 66वीं वाहिनी और सोनौली पुलिस की टीम सीमावर्ती गांव तिलहवा के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान नेपाली नंबर की बाइक पर सवार दो युवक भारत से नेपाल जाते दिखाई दिए। जवानों ने उन्हें रोककर जब बैग की जांच की तो नशे की दवाएं ब्यूप्रेनॉर्फिन, प्रोमेथाजिन और डायजेपाम की 590 पीस दवाएं बरामद हुईं। पूछताछ में युवकों ने अपने नाम नूर मोहम्मद और नृपेंद्र कुमार निवासी वार्ड नंबर 4 शुद्धोधन लुम्बिनी कपिलवस्तु नेपाल बताया।

अवैध धर्मांतरण का भंडाफोड़ , छांगुर बाबा गिरफ्तार

100 करोड़ की फंडिंग से हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन पर करता था खर्च,

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर रू यूपी एटीएस ने अवैध धर्मांतरण के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. एटीएस ने 50 हजार के इनामी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया है. इसी मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर दूसरी आरोपी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. सभी पर विदेशी फंडिंग से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित करने का भी आरोप है.एसटीएफ चीफ अमिताभ यश ने बताया, जांच में पता चला कि जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा (असली नाम करीमुल्ला शाह) पिछले तीन–चार सालों से बलरामपुर जनपद के उतरौला तहसील के मधपुर गांव में रह रहा था। छांगुर बाबा मुंबई के एक सिंधी नवीन रोहरा, नीतू रोहरा और बेटी समाले नवीन रोहरा का ब्रेनवाश कर उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोपी है.छांगुर बाबा खुद को बताया था पीर .धर्म परिवर्तन के बाद सभी का नाम कलीमुद्दीन, नसरीन और सबीहा नाम रखा था। छांगुर बाबा खुद को पीर बाबा और सूफी बाबा हजरत बाबा जलालुद्दीन कहता था। शिजर–ए–तैय्यबा नामक पुस्तक के माध्यम से इस्लाम का प्रचार करता था।गिरोह में शामिल लड़के नाम बदलकर लड़कियों को फंसाते । गिरोह प्रेमजाल में फंसाकर भी धर्मांतरण कराता था। लखनऊ की गुंजा गुप्ता को अबू अंसारी नामक व्यक्ति ने अमित नाम रखकर प्रेमजाल में फंसाया और छांगुर शाह के दरगाह ले गया.यहां इस्लाम अपनाने वाले कलीमुद्दीन और नसरीन ने गुंजा गुप्ता का ब्रेनवाश किया, लालच देकर इस्लाम कबूल करवाया, जिसके बाद गुंजा का नाम अलीना अंसारी रख दिया गया.धर्मांतरण का तय था रेट एसटीएफ चीफ ने बताया, जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह ने धर्मांतरण के लिए बाकायदा धनराशि तय कर रखी थी, हिंदू धर्म की ब्राह्मण, सरदार या क्षत्रीय लड़की को इस्लाम कबूल कराने पर 15–16 लाख रुपये, पिछड़ी जाति की लड़की के लिए 10 से 12 लाख रुपये और अन्य जाति की लड़कियों के लिए 8 से 10 लाख रुपये निर्धारित थे।विदेशी फंडिंग और करोड़ों का लेन–देन गिरोह के सदस्यों द्वारा लगभग 40 बार इस्लामिक देशों की यात्राएं किए जाने की जानकारी मिली है। इसके अलावा, गिरोह के सदस्यों ने अपने और अलग–अलग संस्थाओं के नाम से 40 से भी ज्यादा बैंक खाते खुलवाए थे, जिनमें लगभग 100 करोड़ रुपये का लेन–देन हुआ है. यह विदेशी फंडिंग के माध्यम से धर्मांतरण की पुष्टि करता है.थाना उतरौला में दर्ज शिकायत में यह भी बताया गया है कि छांगुर बाबा, महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, एमेन रिजवी (कथित पत्रकार), सगीर, नसरीन जैसे गैंग के प्रमुख सदस्य गरीब और असहाय व्यक्तियों को धर्मांतरण के लिए निशाना बनाते थे। बात न मानने पर उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कराने की धमकी देकर दबाव बनाते थे।पहले भी दर्ज हैं मामले .छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों के खिलाफ आजमगढ़ के थाना देवगांव में अवैध धर्मांतरण के आरोप में पहले से ही केस दर्ज है, जो इस गिरोह की आपराधिक गतिविधियों को और पुष्ट करता है. पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

भाजपा ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वी जयंती मनाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वी जयंती पर जिले भर में भाजपाइयों ने कार्यक्रम आयोजित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर लोगों को डॉ मुखर्जी के आदर्श पर चलने की बात कही।सदर विधानसभा के देहात मंडल 71 के अंतर्गत हरिहरगंज चौराहा पर भाजपा की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं सदर विधायक पलटू राम ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक बोले कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रखर राष्ट्रवादी विचारक थे। वे हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित थे। उनकी दूरदर्शिता और बलिदान आज भी हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए पथ प्रदर्शक है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पाठक, उमाशंकर बाबा, अरविंद तिवारी, सेतु बंधु त्रिपाठी, आनंद तिवारी, डॉ प्रांजल त्रिपाठी, ठाकुर प्रसाद शुक्ला, शिवम पाण्डेय, विजय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

इसी क्रम में उतरौला विधानसभा के नगर मंडल में भाजपाइयों ने पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इसके बाद डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं जनसंघ के डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्थापक सदस्य थे। डॉ मुखर्जी महान शिक्षाविद एवं विचारक थे। उनकी बनाई हुई भाजपा पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी कार्यकर्ताओं की पार्टी बन गई है। इस अवसर पर उतरौला नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष रमेश जायसवाल, नगर अध्यक्ष फणींद्र गुप्ता, अंकुर गुप्ता, विजयपाल वर्मा, गोपाल मोदनवाल, अशोक सोनी, संजय गुप्ता, व ओमप्रकाश गुप्ता आदि मौजूद रहे। वहीं गैंसड़ी विधानसभा के अंतर्गत मंडल गणेशपुर के पंचायत भवन गनवरिया और पचपेड़वा मंडल के मंशा मैरिज हाल में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई गई। पचपेड़वा में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी और गणेशपुर में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ पौधारोपण किया। मंडल संगोष्ठी में मुख्य अतिथि ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने एक देश में दो झंडा दो निशान का विरोध किया था। उनका सपना एक देश एक निशान का था। पीएम मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉक्टर मुखर्जी के सपनों को सरकार करने का कार्य किया है। पीएम मोदी की सरकार में आज देश पूरे विश्व में तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए अग्रसर है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती मिडटाउन एवं इनरव्हील क्लब

बस्ती मिडटाउन के संयुक्त तत्वावधान में नए सत्र के शुभारम्भ पर जिला चिकित्सालय बस्ती के रक्तकोश विभाग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया.रक्तदान शिविर का उदघाटन एसआईसी डॉक्टर खालिक रिजवी ने फीता काट कर किया।डॉक्टर खालिक रिजवीने कहा कि बिना सामाजिक संस्थाओ के सहयोग के इस संकल्प को पूरा नहीं किया जा सकता और इस अभियान में रोटरी सदैव अग्रणी रही है।दोनों क्लब के अध्यक्ष आनन्द गोयल एवं आशा अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य यह है कि रक्तदान महादान है जिसका कोई विकल्प नहीं यह मानव जीवन में रक्त की कमी से जो हानि होती है,हम सभी मिलकर उसे रोक सकते हैं.रक्तदान करने वालों में राम विनय पाण्डेय , डॉक्टर डी.के. गुप्ता , मनीष अग्रवाल , विनय कुमार गुप्ता , मनोज कुमार अग्रवाल , राजेश कुमार गुप्ता , शेष नारायन गुप्ता ,महेन्द्र पाण्डेय , अविनाश गुप्ता , प्रवीण कुमार अग्रवाल , तूलिका अग्रवाल , उमा अग्रवाल , पुनीत पाण्डेय, विवेक सिंह , वैभव गुप्ता ,सर्वेश श्रीवास्तव शामिल रहे.इस अवसर पर मयंक श्रीवास्तव , महेंद्र सिंह , विवेक अग्रवाल , सचिव , सतीश सिंघल , अरुण , कौशल त्रिपाठी , डॉक्टर दीपक श्रीवास्तव , डॉक्टर सौम्या गोयल , डॉक्टर विजय वर्मा, सचिव साधना , दीपिका , कीर्ति , अंजू , अनुराधा, कामिनी , पीरेंद , इमरान आदि लोग मौजूद रहे।

अनुराग लक्ष्य पत्रिका के स्थापना दिवस पर विभूतियां सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती ।प्रेस क्लब सभागार में साहित्यिक सामाजिक सन्दर्भों से जुड़ी मासिक पत्रिका अनुराग लक्ष्य का 30 वां स्थापना सम्पादक विनोद उपाध्याय के संयोजन में संकल्पों के साथ विभितियों को सम्मानित करने, कविता, शायरी के बीच मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि अनुराग लक्ष्य ने साहित्यिक सरोकारों को जीवन्त किया है। यह यात्रा जनसहयोग से अनवरत जारी रहेगी। कहा कि ऐसे समय में जबकि साहित्यिक पत्रिकायें लगातार बंद हो रही हैं, अनुराग लक्ष्य का प्रकाशित होते रहना एक बड़ी उपलब्धि है।वरिष्ठ साहित्यकार डा. राम भ्य लाल जगमग , डा. वी.के. वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, डा. मुकेश कुमार मिश्र, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, आदि ने अनुराग लक्ष्य की विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्पादक विनोद उपाध्याय ने प्रकाशन यात्रा, चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया.इस अवसर पर प्रकाश चन्द्र गुप्ता, डा. वी.के. वर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, संदीप शुक्ल, राकेश तिवारी, वशिष्ठ पाण्डेय, सुनील मिश्र, राजेन्द्र उपाध्याय, नकील अहमद, काजी मुनीर, डा. अजय किशोर, राजेश पाण्डेय, लवकुश सिंह, गोविन्द प्रजापति, संदीप गोयल, डा. मुकेश मिश्र, अनुराग श्रीवास्तव, जितेन्द्र पाठक, कालिन्दी तिवारी, राजकुमार श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, जितेन्द्र श्रीवास्तव, शक्तिशरण उपाध्याय, रवि कुमार पाण्डेय, मयंक कुमार उपाध्याय, अरूण कुमार,रामधीरज, आशुतोष प्रताप यदुवंश, मनोज यादव, जीत यदुवंश, अनिल त्रिपाठी, मुस्लिमा खातून, चन्द्र प्रकाश शर्मा, महेन्द्र तिवारी, संध्या दीक्षित, .प्यादेव मिश्र, नित्यानन्द सिंह, राघवेन्द्र मिश्र मद्द आदि को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डा. राम.पाल राय, डा. अमिताभ पाण्डेय, डा. राम.भ्य लाल जगमग , ताजिर बस्तवी, प्रतिमा गुप्ता, फैज खलीलाबादी, सागर गोरखपुरी, महेश श्रीवास्तव, डा. अफजल हुसैन अफजल, डा. राजेन्द्र सिंह राही , डा. अजीत राज, दीपक सिंह प्रेमी, सुशील सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव अश्क आदि ने अपनी शायरी और कविताओं के माध्यम से वातावरण को जीवन्त किया। संचालन विनोद उपाध्याय और अध्यक्षता प्रकाश चन्द्र गुप्ता ने किया.इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुराग श्रीवास्तव, सुनील कुमार मिश्र, राघवेन्द्र मिश्र, संदीप गोयल, डा. अजय किशोर श्रीवास्तव, .प्यादेव मिश्र, संध्या दीक्षित, अनिल त्रिपाठी, विशाल पाण्डेय, ब्रम्हदेव पाण्डेय, आशुतोष प्रताप यदुवंशी, मनोज कुमार यादव, देवेन्द्र पाण्डेय, अश्विनी तिवारी, गोकरन नारायण पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव बिन्नू, महेन्द्र तिवारी, रामधीरज सिंह, भानु प्रताप सिंह,ज्ञान प्रकाश चौधरी, राकेश तिवारी, लवकुश सिंह, राजेन्द्र उपाध्याय, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, विपिन बिहारी त्रिपाठी, जमुना यादव, गोविन्द प्रजापति, एल.के. पाण्डेय, बजरंग प्रसाद शुक्ल, शिवहंस सिंह, महेश तिवारी, प्रमोद कुमार, डा. नवीन सिंह, कालिन्दी , गरूणध्वज पाण्डेय, दिलीप कुमार गुप्ता, अंकित कुमार गुप्ता, अनिल पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, जितेन्द्र पाठक, गोविन्द प्रजापति के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिन पर व्यक्तित्व और .तित्व पर हुआ संगोष्ठीःरु पवन कसौधन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बनमान, बस्ती। जनसंघ के संस्थापक भारतीय जनता पार्टी के कर्णधार डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर गौर मंडल क्षेत्र के नगर पंचायत बभनान बाजार में शांति पैलेस के सभागार में डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और .तित्व पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी बस्ती पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गौर राजेश कमलापुरी ने किया। मुख्य वक्ता पवन कसौधन ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को व्यक्त किया। इस मौके पर गौर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जटाशंकर शुक्ला, किसान मोर्चा गोरखपुर क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष राधेश्याम कमलापुरी, विनोद सिंह, संतोष शुक्ला, वरुण पांडेय, महामंत्री राजेश नारायण अगियार, .ष्ण कुमार तिवारी, अनुपम पांडेय, अमित पांडेय, मुरार जी गुप्ता, विजय सिंह, प्रदीप दुबे, राजकुमार जायसवाल, शंभु अमित शुक्ला, सत्य प्रकाश तिवारी, अमरनाथ कसौधन, विवेक सिंह, रवीन्द्र कसौधन, सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शैलेंद्र यादव बने लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर |बलरामपुर समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने बलरामपुर निवासी शैलेंद्र यादव को लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है शैलेंद्र यादव के मनोनयन पर पार्टी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है उनके मनोनयन पर जिला अध्यक्ष मणिक लाल कश्यप, गैंसड़ी विधायक राकेश यादव, प्रेम यादव, मनीष सोनकर, जगराम पासवान सहित कई अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

नौ जुलाई के राष्ट्रीय आम हड़ताल का भाकपा करेगी पुरज़ोर तरीके से समर्थन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। रविवार को भारतीय

कम्युनिस्ट पार्टी की जून माह में हुए 15 वें जिला सम्मेलन में चुनें गए नए कौंसिल सदस्यों की पहली बैठक पार्टी के जिला क्षेत्रीय कार्यालय पटवध पर पार्टी के सीनियर व मजदूर नेता कामरेड राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भाकपा जिला कौंसिल की बैठक में अध्यक्षता करते हुए कामरेड राजेन्द्र प्रसाद ने नव निर्वाचित कौंसिल सदस्यों को बधाई दी और नई कौंसिल को पार्टी के जनाधार व उसके मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई और ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल ने गर्मजोशी से स्वागत किया जिस फैसले में न्यायालय ने दिव्यांग जनों, पूर्व सैनिकों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी आरक्षण के दायरे में लाने की घोषणा की है।बताया कि एक महत्वपूर्ण कदम के तहत मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट के गैर – न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्तियों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए रोस्टर प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया शुरू की है। भाकपा जिला कौंसिल माननीय मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा भर्ती नियमों में संशोधन कर इस लंबे समय से लंबित सुधार की शुरुआत करने की पहल की सराहना की है।भाकपा की बैठक में 9 जुलाई के राष्ट्रीय आम हड़ताल को भी सफल बनाने का निर्णय लिया गया है।पार्टी द्वारा जारी किए गए विज्ञप्ति में कहा गया है कि 9 जुलाई 2025 को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आहवान पर राष्ट्रीय आम हड़ताल का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कौंसिल – सोनभद्र! पूर्ण समर्थन करती है तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सोनभद्र संयुक्त ट्रेड यूनियन के साथ इस हड़ताल में शामिल होकर 9 जुलाई 2025 को सुबह 11.00 बजे से सोनभद्र जिलाधिकारी कार्यालय पर उक्त मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन करेगी। पार्टी सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान करती है कि समय से उपस्थित होकर इस हड़ताल को सफल बनाने में पूरा सहयोग करें।बैठक में पार्टी जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, सह सचिव कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा व कामरेड बसावन गुप्ता, कोषाध्यक्ष कामरेड प्रेम चंद्र , कामरेड राम रक्षा (पूर्व जिला सचिव), कामरेड अमरनाथ सूर्य, कामरेड अनंत उर्फ पप्पू भारती, कामरेड बाबू लाल चेरो, कामरेड कमला प्रसाद, कामरेड नागेन्द्र कुमार, कामरेड लीलावती देवी, कामरेड अरविंद , कामरेड लीलाधर कामरेड तारकेश्वर,कामरेड हृदय नारायण गुप्ता आदि कौंसिल सदस्यगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।बैठक की अध्यक्षता कामरेड राजेन्द्र प्रसाद ने और संचालन कामरेड आर के शर्मा ने किया।

पतंजलि योग समिति के संपर्क राज्य कार्यालय का वाराणसी में हुआ शुभारंभ

प्रयागराज में था संपर्क राज्य कार्यालय, अब वाराणसी से अटैच होंगे उत्तर प्रदेश पूर्व के जिले

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। योग को जन जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ स्वामी बाबा रामदेव के दिशा निर्देशानुसार पतंजलि योग समिति के संपर्क राज्य कार्यालय का शुभारंभ रविवार को वाराणसी में हुआ। अब उत्तर प्रदेश के पूर्व जिलों वाराणसी, सोनभद्र, चंदौली, भदोही, जौनपुर, मिर्जापुर जिले के पतंजलि योग समिति के लोगों को प्रयागराज नहीं जाना पड़ेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ राधवेंद्र जी की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि भारत स्वाभिमान राज्य प्रभारी भगवान सिंह के मार्गदर्शन एवं पतंजलि योग समिति राज्य प्रभारी दुर्गेश जी के नेतृत्व में यज्ञ हवन, दीप प्रज्वलन व मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। पतंजलि योग परिवार वाराणसी के आयोजक मंडल द्वारा अतिथियों एवं सभी जनपदों से पधारे पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।पतंजलि योग समिति सोनभद्र के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी वाराणसी मुकेश जी व उनकी धर्मपत्नी रीना जी के अथक प्रयास से यह पुनीत कार्य होने से उत्तर प्रदेश पूर्व के सभी जनपदों के लिए गौरव की बात है। संपर्क राज्य कार्यालय प्रभारी वाराणसी का दायित्व राज्य संवाद प्रभारी सुरेंद्र नाथ जी को दी गई।विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान के सह राज्य प्रभारी संदेश योगी जी, युवा भारत राज्य प्रभारी बृजमोहन जी, पतंजलि किसान सेवा समिति राज्य प्रभारी ओम प्रकाश जी, सभी राज्य कार्यकारिणी सदस्य तथा मंडल प्रभारी धीरज जी, अयोध्या से अरुण कुमार जी, आजमगढ़ से अरुण कुमार यादव जी, चंदौली से राजेश जी, जौनपुर से शशि भूषण सिंह जी, भदोही से सुरेश जी, सोनभद्र से पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी, युवा भारत जिला प्रभारी मयंक दुबे जी,भारत स्वाभिमान जिला महामंत्री सुनील कुमार चौबे, नगर संयोजक दिनेश लाल श्रीवास्तव, सुनील कुमार सिंह,पतंजलि योग समिति जिला संरक्षक शिव पूजन झा सपत्नीक उपस्थित रहे। जनपद वाराणसी के सभी संगठनों के प्रभारी सतीश जी, रमेश भाई अनूप जी,कौशल्या बहन,अवधेश योगी जी, लक्ष्मी नारायण जी, अजय योगी जी तथा सभी देवतुल्य योग साधक भाई–बहनों को नए संपर्क राज्य कार्यालय के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं व बधाई दी गई।

मोहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान कार ने दो लोगों मारी टक्कर घायलों को जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। मोहर्रम की ताजिया के जलूस के दौरान कार ने दो लोगों को धक्का मार दिया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहा से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया थाना क्षेत्र के बभनी बाजार में मोहर्रम के जलूस के दौरान छत्तीसगढ़ की तरफ से आ रही कार ने दो लोगों को धक्का मार दिया। इसके बाद कार मौके से फरार हो गयी। पुलिस के सामने से कार के भाग जाने पर भीड़ उग्र हो गयी और भीड़ थाने पहुंच हो गई थाने पर नारे बाजी करने लगे। प्रभारी निरीक्षक के काफी समझाने के बाद पुलिस लोगों ने जलूस निकाला।घायल गयासुद्दीन पुत्र जान मोहम्मद,55 वर्ष, निवासी बभनी शिवरतन पुत्र पुरुषोत्तम,52 वर्ष, निवासी बभनी दोनो को जिला अस्पताल रेफर कर दिया किया।शिवरतन पी आर डी जवान है जो कारीडाड ड्यूटी पे जा रहा था। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि वाहन की तलाश जारी है।

बड़े पिता को नुकीले चीज से गोद कर किया घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र।बभनी थाना क्षेत्र के सतबहनी गांव में युवक ने अपने बड़े पिता को नुकिले हथियार से गोद कर घायल कर दिया। शोरगुल सुनने के बाद इस पास के लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहा उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जहा हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।सतबहनी गांव में शनिवार की रात घर में सो रहे 60 वर्षीय उदयराज पुत्र रामदेव को एक युवक ने नुकिले हथियार से गोद कर घायल कर दिया। घायल युवक का बड़े पिता था घटना के कारणों का पता नही चल सका हमला के बाद शोरगुल सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया।जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल में भी हालत न सुधरने की स्थिति में ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।मामले के बाबत प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि घटना की सूचना पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवा दिया गया जहा से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उपचार चल रहा है घटना की पड़ताल किया जा रहा है।

डीएम व एसपी ने मोहर्रम त्यौहार के दृष्टिगत कस्बा नपा शोहरतगढ़ का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे में

मोहर्रम त्यौहार के जुलूस (दसवीं) ,दृष्टिगत जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर डॉ0 राजा गणपति आर0 व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर व डा0 अभिषेक महाजन ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएस व एसपी ने थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ में पर्याप्त पुलिस बल के साथ पहुंचकर भ्रमणशील रहते हुये ड्यूटी पर लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। डीएम व एसपी ने थाना शोहरतगढ़ में मोहर्रम के जुलूस को सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस दौरान एडीएम सिद्धार्थनगर गौरव श्रीवास्तव, एएसपी प्रशान्त कुमार प्रसाद, सीओ शोहरतगढ़ सुजीत कुमार राय, थाना प्रभारी शोहरतगढ़ बिन्देश्वरी मणि त्रिपाठी व थाना शोहरतगढ़ के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, व्यापार मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल, डा0 सरफराज अंसारी, डा0 शादाब अंसारी, मनोज कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

जनसुनवाई पोर्टल में मनमर्जी रिपोर्ट लगा रहे बांसी ब्लाक के एडीओ पंचायत और सचिव

शिकायतकर्ता द्वारा उक्तरिपोर्ट को लेकर डीएम से करेंगे शिकायत।

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी/सिद्धार्थनगर।जनपद सिद्धार्थनगर के बांसी ब्लॉक अन्तर्गत जनसुनवाई पोर्टल में एडीओ पंचायत और सचिव द्वारा मनमर्जी रिपोर्ट लगाकर आख्या प्रस्तुत करने का मामला प्रकाश में आया है। आपको बता दें कि बांसी ब्लॉक के जिम्मेदार (एडीओ पंचायत और सचिव) द्वारा गलत आख्या लगाकर शिकायतकर्ता को भ्रमित कर रहे हैं। वहीं शिकायतकर्ता की जानकारी के बिना ही जांच अधिकारी (एडीओ पंचायत और सचिव) ने सेटलमेंट कर दिया। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर डॉ0 राजा गणपति आर0 द्वारा जनसुनवाई पोर्टल पर लोगों की शिकायतों का निपटारा कराने को लेकर जोर दे रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। जांच अधिकारियों द्वारा मनमर्जी रिपोर्ट लगाकर आख्या प्रस्तुत कर दिया जा रहा है। मामला बांसी ब्लॉक के ग्राम पंचायत सोनफेरवा खुर्द का है, जहां पर सचिव व ग्राम प्रधान मनरेगा योजना में फर्जी हाजिरी लगा रहे हैं। वहीं शिकायतकर्ता का कहना है कि उनके जानकारी के बिना ग्राम पंचायत सचिव सोनफेरवा खुर्द रिपोर्ट लगाकर निस्तारण कर दिये हैं, जिसको लेकर शिकायतकर्ता को ग्राम पंचायत सचिव ने बिना जानकारी के रिपोर्ट लगाने की शिकायत जिलाधिकारी से करेंगे। वहीं सूत्रों की मानें तो सहायक विकास अधिकारी द्वारा कुछ लेन–देन कर मामलों में गलत रिपोर्ट तैयार हो जाता है। प्राप्त जानकारी मुताबिक सहायक विकास अधिकारी के कई बार स्थानान्तरण के बावजूद सत्ता पक्ष के हनक से विकास खण्ड बांसी में पांव जमायें बैठे हैं। जनचर्चा द्वारा सहायक विकास अधिकारी ब्लाक आफिस में कम होटलों पर अधिक दिखते हैं, जिससे आने जाने वाले ग्रामीणों को अपने कार्य कराने में काफी दिक्कत होती है। विकास कार्यों के नाम पर हुए सरकारी धन लूटने के आरोप में प्रशासनिक व वित्तीय खाता को लेकर भ्रष्टाचार की जांच के लिए शिकायतकर्ता ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की थी। वहीं ग्राम पंचायत सोनफेरवा खुर्द में मनरेगा कार्यों में फर्जी हाजिरी बनाकर बड़े पैमाने पर सरकारी धन के लूट खसोट से जुड़ा मामला था। अब देखना है कि उक्त मामले को लेकर जिले के तेज तर्रार व लोकप्रिय जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा शिकायतकर्ता के उक्त मामलों पर क्या कार्रवाई करते हैं?

मुहर्रम का पैग़ाम . कुर्बानी, सत्य और एकता का प्रतीक

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र।बीजपुर,मुहर्रम न केवल इस्लामी वर्ष का आरंभ है बल्कि यह वह पवित्र महीना है। जिसमें इंसानियत ने अपने इतिहास की सबसे महान कुर्बानी को यादगार बनाया। कर्बला की धरती पर इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने अन्याय के विरुद्ध डटकर, सत्य और इंसाफ की राह में अपने प्राणों की आहुति दी। उनका पैग़ाम आज भी हर ज़माने के लिए रौशनी है कि सिर झुका देना नहीं, बल्कि हक पर अडिग रहना ही सच्चा धर्म है।इलाके के राजो ,खम्हरिया बीजपुर में इस बार मुहर्रम पूरी श्रद्धा, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया गया। मुसलमान भाइयों के साथ–साथ हमारे हिन्दू भाई भी बढ़–चढ़कर शामिल हुए। ग्राम प्रधान इजाजत शेख, शकील बेग, मौलाना नुरुज्जमा बीजपुर के खलील ,गयासुद्दीन,अफ्सरा,सलीम ,उस्मान और बिरेंद्र सिंह सहित हिन्दू समाज के गणमान्य लोगों की मौजूदगी ने इस आयोजन को एकता और भाईचारे का प्रतीक बना दिया।अफ्रीन शेख, आजाद बेग, जाफर बेग और शकील शेख द्वारा बनाए गए सुंदर ताजियों के साथ जलूस–ए–हुसैनी निकाला गया, जिसमें गांव के सभी समुदायों ने शांतिपूर्वक भाग लिया।मुहर्रम हमें सिखाता है कि धर्म केवल पूजा नहीं बल्कि इंसानियत, इंसाफ और त्याग का नाम है। आइए, इमाम हुसैन की कुर्बानी से प्रेरणा लेकर समाज में प्रेम, अमन और इंसाफ को मजबूत करें। समुदाय के लोगों द्वारा बीजपुर श्री राम चौक पर लाठी डंडे का आश्चर्य चकित कर देने वाले करतब दिखाए गया।ताजिया दफन कर सब वापस हुए।

घोरावल में त्याग एवं सहादत का पर्व मोहर्रम परंपरागत ढंग से मनाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र ।रविवार को कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन की शहादत की याद में ताजिया दारो द्वारा घोरावल नगर में जुलूस निकाला गया तथा नम आंखों से ताजिया दारो ने विदाई दी। उक्त अवसर पर मदरसा इस्लामिया से जुलूस निकाला गया जो नगर के मेन तिराहा ,मेन बाजार ,मुक्खा तिराहा होते हुए जुड़िया स्थित कर्बला में दफन किया गया। सैकड़ो लोगों ने इमाम हुसैन की शहादत की याद की तथा अपने हक के लिए जालिमों के सामने न झुकने का संकल्प दोहराया। उक्त अवसर पर मुती अरशद, मौलाना सादिक राजा, बरकत अली, इनामुल हक, हाफिज ताज मोहम्मद, मोहम्मद युनुस ,मोहम्मद नईम , मोहम्मद हनीफ,सखावत अली, इमरान मंसूरी आदि उपस्थित रहे। शांति व्यवस्था के लिए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप वर्मा, क्राइम इंस्पेक्टर रामदेव सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी अजय श्रीवास्तव भारी पुलिस बल के साथ चक्रमण करते रहे।

शिक्षक संघ ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी की अगुवाई में पदाधिकारियों ने रविवार को जिला मुख्यालय पर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल को ज्ञापन सौंपा। सभी ने स्कूलों की पेयरिंग व्यवस्था पर नाराजगी जताई।

शिक्षकों ने अवगत कराया कि हजारों विद्यालयों पेयरिंग के नाम पर बंद किया जा रहा है। परिषदीय स्कूलों के लिए चल रही मर्जर प्रक्रिया से जहां छात्रों से विद्यालयों की दूरी अधिक होगी, वहीं हजारों रसोईयों की सेवा समाप्त हो जायेगी। लोकतंत्र में इस प्रकार विद्यालय बंद करके नौनिहालों की शिक्षा से खिलवाड़, हजारों प्रधानाध्यापकों के पद एवं रसोईया की सेवा समाप्ति जैसे निर्दयी एवं कठोर निर्णय की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस मौके पर सांसद मांगपत्र को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिवाकांत दुबे, विजय बहादुर अंबेडकर, लालजी यादव, इंद्रसेन सिंह, आशुतोष उपाध्याय,सुधाकर मिश्र, रामशंकर पांडेय, अनिल पांडेय, गौरव पांडेय, बाबूराम, वैभव, अरुण सिंह, अभय श्रीवास्तव, दिनेश्वर प्रसाद, सूरज, दिनेश शर्मा आदि मौजूद थे।

बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों का धरना कल

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की शीर्ष स्तर पर हुई बैठक में लिए चरणबद्ध आंदोलन की कड़ी में रविवार को जिले के चार हजार शिक्षकों ने परिषदीय विद्यालयों के विलय पर रोष व्यक्त किया। स्कूलों के विलय के विरोध में एक्स पर हैशटैग अभियान चलाया। अब संगठन की ओर से मंगलवार को बीएसए कार्यालय पर धरना देंगे। जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि कम छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों को बंद करके अन्य विद्यालय में विलय करना, सबको समान शिक्षा के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है। इसके विरोध में प्रांतीय नेतृत्व ने व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तय की है। कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने वाला है। यह फैसला शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की बजाय उसे और कमजोर करेगा। इस फैसले के विरोध में रविवार को ट्विटर (एक्स) पर हैशटैग अभियान चलाया गया। साथ ही, आठ जुलाई को बीएसए कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जाएगा।

पुलिस ने एसएसबी संग 04 बोरी यूरिया खाद व 01 अदद साईकिल दबोचा

दैनिक बुद्ध का संदेश
मोहाना सिद्धार्थनगर।पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के

निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी सदर मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध नेपाल बार्डर से हो रही तस्करी की रोकथाम के दृष्टिगत चलाये जा रहे अभियान के शनिवार/रविवार की रात्रि को थाना मोहाना पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम फसादीपुर पिलर संख्या 543/1 में चेकिंग के दौरान 04 बोरी यूरिया खाद व एक अदद साइकिल बरामद कर अग्रिम विधिक कार्यवाई हेतु कस्टम कार्यालय ककरहवा भेजा गया। इस दौरान बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में पुलिस चौकी ककरहवा के हेड कांस्टेबल उमेश कुमार, हेड कांस्टेबल आत्मानन्द यादव व एसएसबी के उप निरीक्षक बिट्टू बोर बोरदयाई, मुख्य आ/सा0 सन्तोष कुमार, आ/सा0 सिधिया ईश्वर, सुजीत सी, निखिल कुमार, अनन्त राज मौजूद रहें।

धौरीकुइयां गांव में तैनात दों सफाईकर्मी निलंबित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। नौगढ़ क्षेत्र के धौरीकुइयां गांव में तैनात दोनों सफाई कर्मियों को कार्य एवं दायित्व के प्रति लापरवाही में निलंबित कर दिया गया है। निलंबित कर्मी कुसुम देवी, पुष्पा देवी को विकास खंड कार्यालय नौगढ़ से संबद्ध किया गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत धौरीकुइयां में तैनात सफाई कर्मियों पर एडीपीआरओ के निरीक्षण समय बिना किसी सूचना अनुपस्थित रहने, शासनादेश के विपरीत कार्य करने, उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने, अपने पदीय दायित्वों के विपरीत कार्य करने का आरोप है। डीपीआरओ ने बताया कि दोनों सफाई कर्मियों के खिलाफ मिली शिकायतों की जांच के बाद प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट- हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

रेड ड्रेस में सारा अली खान ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

सारा अली खान एक बार फिर अपने शानदार और बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह रेड ड्रेस में एम्पल खाते हुए नजर आ रही हैं. उनके इस बोल्ड और एलीगेंट अंदाज ने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया

है.सारा ने कैप्शन में लिखा, अपना फल खाओ और क्रूर मत बनो . जो उनके चंचल और विचित्र अंदाज को भी दर्शाता है. इन तस्वीरों में वह रेड स्लीवलेस ड्रेस और मैचिंग हाई हील्स में कमाल की लग रही हैं. मिरर लाइट्स के सामने बैठे हुए उनका कॉन्फिडेंट पोज और डार्क वेवी हेयरस्टाइल उनके लुक को और भी स्टनिंग बना रहा है. पोस्ट के कुछ ही मिनटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आने लगे. फैंस उन्हें ब्यूटी इन रेड्स, गार्जियस दिवाय और रेड हॉट सेंसेशन्य जैसे नामों से नवाज रहे हैं. एक यूजर ने तो सारा की पहली फिल्म केदारनाथ को याद करते हुए कमेंट किया, केदारनाथ फिल्म देख कर आज मूड ऑफ है . यह दिखाता है कि सारा का चार्म आज भी दर्शकों पर बरकरार है.

सारा अली खान का यह नया लुक उनके फैंस के लिए एक फैशन इंस्पिरेशन बन चुका है. अक्सर ट्रेडिशनल और वेस्टर्न आउटफिट्स में दिखाई देने वाली सारा इस बार भी अपने क्लासी और कूल कॉम्बिनेशन से सबको इंप्रेस करने में सफल रही हैं. खना दिलचस्प होगा कि सारा का वे फैशन स्टेटमेंट अगली बार कौन–सा नया ट्रेंड सेट करता है.

आमिर खान की साउथ सिनेमा में धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक से मची सनसनी, रजनीकांत की फिल्म कूली में उड़ाएंगे गर्दा

सितारे जमीन पर के बाद, आमिर खान रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म कूली में कैमियो करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. बॉलीवुड सुपरस्टार अपनी तमिल डेब्यू फिल्म में दाहा का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक रिलीज कर दिया है और इंटरनेट पर लोग इसे देखकर हैरान रह गए.

आमिर खान का ब्लैक बनियान पहने, स्टाइलिश स्वैग से सिगार पीते हुए, धांसू लुक इंटरनेट पर छाया हुआ है. यह किरदार उनके हाल के वर्षों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग लुक है. एक्स पर पोस्ट की गई एक मोनोक्रोम तस्वीर में उनका साइड प्रोफाइल लुक जिसमें वे चश्मा पहने हुए हैं, शेयर किया गया है. इसके साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा, कूली की दुनिया से आमिर खान को दाहा के रूप में पेश करते हुए कूली 14 अगस्त से दुनिया भर के आईमैक्स स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है.

कूली से सामने आए आमिर के इस लुक ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है. दर्शकों को आमिर का यह लुक खूब पसंद आ रहा है. एक यूजर ने कमेंट किया, आमिर का यह मास अवतार वाकई कमाल का है. एक ने लिखा, क्या स्वैग है. एक ने कमेंट किया, क्या एटीट्यूड और स्वैग है. दाहा के लिए एकदम परफेक्ट. एक ने कमेंट किया, यह फिल्म एकदम ब्लॉकबस्टर होने वाली है.

हाल ही में आमिर ने रजनीकांत में अपने होने की पुष्टि की थी, उन्होंने बताया था कि वह इस फिल्म को करने के लिए इसलिए माने क्योंकि वे रजनीकांत के बहुत बड़े फैन हैं. कूली में उनके कैमियो के बारे में एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए आमिर खान ने कहा, मुझे यह करने में बहुत मजा आया. मैं रजनी सर का बहुत बड़ा फैन हूं. मेरे मन में रजनी सर के लिए बहुत प्यार और सम्मान है. इसलिए, मैंने स्क्रिप्ट भी नहीं सुनी. जब लोकेश ने मुझे बताया कि यह रजनी सर की फिल्म है और वह चाहते हैं कि मैं इसमें कैमियो करूं, तो मैंने कहा, ठीक है, मैं इसे कर रहा हूं, जो भी हो, मैं इसे कर रहा हूं.

इस बीच आमिर खान लाल सिंह चड्ढा के तीन साल बाद सितारे जमीन पर के साथ फिल्मों में लौटे. इस फिल्म में उनके साथ जेनेलिया देशमुख और 10 ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने पहली बार बड़ी स्क्रीन पर परफॉर्मेंस दी.

कूली एक तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है जिसे लोकेश कनगराज ने निर्देशित और सन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है. रजनीकांत फिल्म में लीड रोल में हैं, उनके साथ सौबिन शाहिर, नागार्जुन, श्रुति हासन, सत्यराज और उपेंद्र अहम रोल में हैं. कूली को 2025 में दुनिया भर में वर्ल्डवाइड और आईमैक्स में रिलीज किया जाएगा.

बॉक्स ऑफिस पर सितारे जमीन पर की पकड़ मजबूत, फिल्म मां की कमाई में गिरावट जारी

अभिनेता आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ रही है। इस स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। दूसरे हफ्ते में भी इसका जादू बरकरार है। ये फिल्म अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और कई रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रही है। आइए जानें सितारे जमीन पर ने अब तक कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने अपनी रिलीज के 15वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को 2.50 करोड़ रुपये जुटाए, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 137.90 करोड़ रुपये हो गया है। विदेश में भी सितारे जमीन पर खूब कमाई कर रही है। 90 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक 214.5 करोड़ रुपये जमा लिए हैं।

सितारे जमीन पर भारत की पहली ऐसी फिल्म बन गई है, जिसमें सभी प्रमुख सुलभता विशेषताएं शामिल हैं। इसमें बंद कैप्शन, ऑडियो डिस्क्रिप्शन और भारतीय सांकेतिक भाषा शामिल हैं, जिसके बाद देखने, सुनने की शक्ति या बोलने की अक्षमता वाले दर्शक भी सम्मान और स्वतंत्रता के साथ फिल्म का आनंद ले सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन आरएस प्रसन्ना ने किया है। सितारे जमीन पर में आमिर की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है।

काजोल की फिल्म मां अब सिनेमाघरों में सिमटती नजर आ रही है। फिल्म को रिलीज हुए आठ दिन हो चुके हैं। मां फिल्म ने बीते शुक्रवार को मात्र 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि गुरुवार को फिल्म ने 1.5 करोड़ रुपये कमाए थे। अभी तक 8 दिनों में फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें, तो इसने 27.50 करोड़ रुपये कमाए लिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में फिल्म का बजट 65 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

विक्रांत मैसी की फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का गाना अलविदा जारी, विशाल मिश्रा ने लगाए सुर

काफी समय से विक्रांत मैसी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म की राह दर्शक बड़ी

बेसब्री से देख रहे हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शक इसलिए भी उत्साहित हैं, क्योंकि ये संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर की पहली फिल्म है। इसके जरिए वह बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। अब निर्माताओं ने आंखों की गुस्ताखियां का नया गाना अलविदा जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। अलविदा गाने में विक्रांत और शनाया की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। इस गाने के बोल भी विशाल मिश्रा ने ही लिखे हैं। आंखों की गुस्ताखियां भारत के मशहूर लेखक रस्किन बॉन्ड की लोकप्रिय लघु कहानी, द आइज हैव इट पर आधारित है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान संतोष सिंह ने संभाली है, वहीं मानसी बागला और वरुण बागला फिल्म के निर्माता हैं। आंखों की गुस्ताखियां को 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

पीठ के दर्द को कम करने के लिए आजमाएं ये 5 तरीके, जल्द मिलेगा आराम

पीठ में दर्द एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि गलत तरीके से उठना–बैठना, भारी सामान उठाना या लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहना। हालांकि, कुछ सरल और असरदार उपायों को अपनाकर आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। आइए कुछ ऐसे ही आसान और असरदार उपाय जानते हैं, जिनसे पीठ के दर्द से राहत मिल सकती है।

रोजाना करें स्ट्रेचिंग

रोजाना स्ट्रेचिंग अभ्यास करना पीठ के दर्द को कम करने का एक बेहतरीन तरीका है। सुबह–सुबह या शाम को थोड़ा समय निकालकर हल्का स्ट्रेचिंग करें। इससे न केवल मांसपेशियों में लचीलापन आता है, बल्कि रक्त का प्रवाह भी बढ़ता है, जिससे दर्द में राहत मिलती है। आप अपनी पीठ के निचले हिस्से और कंधों का स्ट्रेचिंग कर सकते हैं। इसके अलावा आप योग के कुछ आसन भी कर सकते हैं, जो पीठ के लिए फायदेमंद होते हैं।

सही तरीके से बैठें

काम करते समय सही तरीके से बैठना बहुत जरूरी है। कुर्सी पर बैठते समय पीठ सीधी रखें और कंधों को पीछे की ओर खींचें। पैरों को जमीन पर सपाट रखें और घुटनों को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें। अगर आपकी कुर्सी असहज है तो गद्देदार कुर्सी का उपयोग करें या कुशन लगाएं ताकि आपकी पीठ को सही सहारा मिल सके। इसके अलावा लंबे समय तक एक ही स्थिति में न बैठें, बीच–बीच में थोड़ा टहलें।

भारी सामान उठाने से बचें भारी सामान उठाते समय ध्यान रखना चाहिए कि आपका वजन संतुलित हो और सामान को दोनों हाथों से समान रूप से उठाएं। अगर संभव हो तो हाथों में सामान उठाने की बजाय ट्रॉली या कैरियर का उपयोग करें। इसके अलावा भारी चीजों को खींचने या धकेलने की बजाय उन्हें उठाने की कोशिश करें। इससे आपकी पीठ पर अधिक दबाव नहीं पड़ेगा और दर्द की संभावना कम होगी। हमेशा अपनी क्षमतानुसार ही वजन उठाएं और जरूरत पड़ने पर मदद लें।

आरामदायक बिस्तर पर सोएं

अगर आप किसी असुविधाजनक बिस्तर पर सोते हैं तो यह आपकी पीठ के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए एक अच्छा और आरामदायक बिस्तर चुनें जो आपकी रीढ़ को सही समर्थन दे सके। इसके अलावा तकिया भी सही होना चाहिए ताकि गर्दन और सिर को भी आराम मिले। अगर गद्दा बहुत सख्त या बहुत नरम हो तो उसे बदल दें और अपने सोने की स्थिति पर भी ध्यान दें ताकि आपकी पीठ को सही आराम मिल सके।

डॉक्टर से करें संपर्क

अगर घरेलू उपायों से कोई फर्क नहीं पड़ रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर आपकी समस्या का सही निदान करेंगे और आवश्यक जांच करने के बाद उचित उपचार बता सकेंगे। इसके अलावा डॉक्टर द्वारा बताए गए एक्सरसाइज और दवाओं का सेवन भी करें ताकि जल्द ही ठीक हो सकें। ध्यान रखें कि समय रहते इलाज कराने से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है और जल्दी राहत मिलती है।